घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 316- शुक्रवार 18- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पीएम मोदी ने दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें एडिशन का उद्घाटन किया

दुनिया को चिप विनिर्माण के लिए भरोसेमंद नए ठिकानों की जरूरत,भारत तैयार : पीएम मोदी

नई दिल्ली,17 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इस अवसर के लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण का पसंदीदा गंतव्य बनने की दिशा में हर जरूरी कदम उठा रहा है। सरकार भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी में है। पीएम मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें एडिशन का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। भारत के प्लांट्स से निकलने वाली सेमीकंडक्टर चिप्स अब देश और दुनिया

के बाजारों तक पहुंचने लगी हैं। उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर सेक्टर ऐसा नहीं है कि फैक्ट्री लगाई और काम पूरा हो गया। इसमें टेक्नोलॉजिकल कैपेबिलिटी बनाने में दशकों लगते हैं। लेकिन भारत ने चिप डिजाइन,मैन्युफैक्चरिंग,इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग,टेस्टिंग कैपेबिलिटी पर एकसाथ काम किया और सफलता हासिल की है। दरअसल,इस साल सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी और बढ़ती कीमतों का सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों पर दिखा है। एपल ने सितंबर 2026 में भारत में कुछ आईफोन मॉडल की कीमतें 41% तक बढ़ाई। इसके साथ ही कार और ऑटोमोबाइल में भी सेमीकंडक्टर चिप की लगातार कमी बनी रही है।

सप्लाई चेन के लिए भारत की सफलता महत्वपूर्ण : मोदी

जब भारत जैसा देश किसी बड़ी इंडस्ट्री में सफलता हासिल करता है,तो इससे पूरी वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूती मिलती है। आज जब सप्लाई चेन को हथियार बनाया जा रहा है,इसका महत्व और बढ़ जाता है।

सेमीकंडक्टर मिशन का दूसरा फेज शुरू : मोदी

भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन का दूसरा फेज लॉन्च किया है। पहले फेज की वैल्यू करीब 70,400 करोड़ रुपए थी। दूसरे फेज के लिए 1.18 लाख करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया है।

एआई के लिए नई टेक्नोलॉजी पर जोर : मोदी

कंपाउंड सेमीकंडक्टर के मैन्युफैक्चरिंग से लेकर सिलिकॉन फोटोनिक्स को इकोसिस्टम में शामिल करना जरूरी है। ये सभी चीजें एआई को सक्षम बनाने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जरूरी हैं।

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन मजबूत करने पर फोकस : मोदी

भारत सप्लाई चेन को मजबूत करने पर जोर दे रहा है और इसके लिए कई रिफॉर्म किए गए हैं। उन्होंने इक्विपमेंट कंपनियों के नेताओं से इन अवसरों का फायदा उठाने की अपील की। अब इंटरनेशनल कंपनियां भारतीय स्टार्टअप्स, डिजाइन फर्म्स और ओसीआई के स्वामित्व वाली संस्थाओं के साथ सहयोग कर सकती हैं। सरकार पॉलिसी, फंडिंग और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के स्तर पर जरूरी कदम उठा रही है।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में ऊर्जा सुरक्षा भी जरूरी

एआई के लिए बनाई जा रही चिप्स का इस्तेमाल एआई डेटा सेंटर में हो रहा है। इनमें हजारों हाई-परफॉर्मेंस प्रोसेसर एक साथ बड़ी मात्रा में डेटा प्रोसेस करते हैं,इसलिए ऊर्जा सुरक्षा भी अहम है।

युवाओं से भारत में रिसर्च से जुड़ने की अपील

मोदी ने भारत में रिसर्च कर रहे युवाओं से आगे आने और विदेशों में रिसर्च कर रहे युवाओं से भारत में एडवांस टेक्नोलॉजी के विकास से जुड़ने की अपील की। पीएम ने इंडस्ट्री लीडर्स से भारत में रिसर्च और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग को फायदा होगा और देश की युवा शक्ति को भी मजबूती मिलेगी। भारत में फैबलेस कंपनियां बढ़ें और चिप से जुड़ी बौद्धिक संपदा भी यहीं तैयार हो। कंपाउंड सेमीकंडक्टर और सिलिकॉन फोटोनिक्स पर भी आगे बढ़ने की जरूरत है। डिजाइन पूरा होने के बाद चिप को उत्पादन के लिए भेजने को 'टेप-आउट' कहा जाता है। लेकिन इसके बाद काम खत्म नहीं होता, बल्कि अगली बेहतर चिप बनाने का काम उसी दिन शुरू हो जाता है।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर,17 सितम्बर 2026। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, दोनों आतंकियों के पाकिस्तानी होने और कश्मीर टाइगर्स या जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका है। उनकी पहचान और

संगठन की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 15 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इनमें 15 आतंकी मारे गए, जबकि 2 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। वहीं 3 नागरिकों की भी मौत हुई। उधमपुर में दो बार सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर हुआ। उधमपुर का मजालता इलाका घने जंगल और पहाड़ी भूभाग वाला है। सुरक्षा एजेंसियों को पिछले कुछ दिनों से ब्रेटल-खुब्बन बेल्ट और आसपास के जंगलों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई थी। बुधवार देर रात संदिग्ध लोगों की आवाजाही की सूचना मिलने पर सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्हल ने इलाके की घेराबंदी की और तलाशी शुरू की। इस दौरान आतंकियों की ओर से फायरिंग होने पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। अंधेरा, घने जंगल और पहाड़ी इलाका होने की वजह से ऑपरेशन में दिक्कतें भी आ रही हैं।

मोदीजी का जीवन देश के लिए प्रेरणा : अमित शाह

गुजरात,17 सितम्बर 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'मोदीजी का जीवन देश के लिए प्रेरणा' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय तक निरंतर जनसेवा करते हुए विभिन्न चुनावों में जनता का विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनके जन्मस्थान वडनगर में आज से दो दिवसीय जन्मदिवस के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और सेवा-संकल्प को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों के साथ वडनगर में विशेष माहौल है। इस अवसर पर चार अलग-अलग पवित्र स्थलों से बाइक यात्राएं बुधवार को वडनगर पहुंचीं। इन यात्राओं के दौरान विभिन्न पवित्र नदियों का जल एकत्र कर वडनगर लाया गया। इसके बाद यात्रियों ने

हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान हाटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के बाद शर्मिष्ठा तालाब पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में महाआरती की गई। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर वे उनके जन्मस्थान वडनगर आए हैं। उन्होंने हाटकेश्वर महादेव के चरणों में प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सेवा का देश के सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ा योगदान है।

मोदी जैसा जीवन हर युवा को जानना चाहिए...

अमित शाह ने कहा कि कुछ लोग वंशवादी राजनीति से जुड़े रहे हैं और उन्होंने सवाल किया कि ऐसे लोगों के लिए नरेन्द्र मोदी के जीवन को जानना क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि मोदी का जीवन ऐसा है, जिससे देश के हर बच्चे,किशोर और युवा को परिचित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय तक निरंतर जनसेवा करते हुए विभिन्न चुनावों में जनता का विश्वास और आशीर्वाद प्राप्त किया है। उनका जीवन सार्वजनिक सेवा और संगठन के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

शर्मिष्ठा तालाब से जुड़ी कथा भी बताई

शाह ने वडनगर के ऐतिहासिक शर्मिष्ठा तालाब से जुड़ी मान्यता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि नरसिंह मेहता की बेटी कुंवरबाई की पुत्री शर्मिष्ठा का विवाह वडनगर के झटपट मेहता के साथ हुआ था। क्षेत्र में अकाल पड़ने पर यहां के राजा से तालाब बनवाने का अनुरोध किया गया था और इसी से तालाब का नाम शर्मिष्ठा पड़ने की मान्यता है। उन्होंने वडनगर और प्रधानमंत्री मोदी के बाल्यकाल से जुड़े प्रसंगों का भी उल्लेख किया और कहा कि हाटकेश्वर महादेव मंदिर तथा शर्मिष्ठा तालाब प्रधानमंत्री मोदी के जीवन से भावनात्मक रूप से जुड़े महत्वपूर्ण स्थान हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन और उनके 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन को ध्यान में रखते हुए गुजरात में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

टाटा संस : चंद्रशेखरन बने रहेंगे चेयरमैन

नोएल टाटा के विरोध के बावजूद बोर्ड ने दी एक और कार्यकाल को मंजूरी

नई दिल्ली,17 सितम्बर 2026। भारतीय कॉरपोरेट जगत के सबसे बड़े होल्डिंग समूह टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को एन चंद्रशेखरन को चेयरमैन के रूप में पांच साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त करने के पक्ष में मतदान किया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से एनबीएफसी रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने के आवेदन को खारिज किए जाने के बाद टाटा संस के शेयर बाजार में लिस्ट होने की संभावनाएं दोबारा बढ़ गई हैं। विनियामक दबाव के

बीच बोर्ड ने संभावित लिस्टिंग से पहले प्रबंधन में निरंतरता बनाए रखने के लिए यह बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार को हुई तीन घंटे की बोर्ड बैठक में टाटा संस के भविष्य को लेकर दो अहम फैसले हुए। पहला, रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन करते हुए कंपनी को सार्वजनिक (गो पब्लिक) करने और बाजार में लिस्ट कराने की मंजूरी दी गई। दूसरा, कंपनी के मौजूदा चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव पास किया गया। इस बैठक में नेतृत्व और लिस्टिंग को लेकर सदस्यों के बीच सहमति बनाने की कोशिश हुई, लेकिन वोटिंग के दौरान टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा अल्पमत में रह गए और बोर्ड के अन्य निदेशकों ने चंद्रशेखरन के विस्तार और लिस्टिंग के पक्ष में मतदान किया। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार बोर्ड में मतदान के बाद, चंद्रशेखरन से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया है।

एचएएल आज वायु सेना को सौंपेगा एलसीए मार्क-1 के दो आखिरी ट्रेनर एयरक्राफ्ट

ट्रेनर एयरक्राफ्ट एचटीटी-40 की पहली खेप भी आपूर्ति को तैयार,पवन हंस को दिए जाएंगे ध्रुव हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली,17 सितम्बर 2026। भारतीय वायु सेना को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के दो आखिरी ट्रेनर एयरक्राफ्ट शुक्रवार को मिलने के बाद शुरुआती एलसीए मार्क-1 ऑर्डर की आपूर्ति पूरी हो जाएगी। दो सीट वाले इन विमानों का इस्तेमाल पायलट प्रशिक्षण के लिए किया जाता है। इसी कार्यक्रम में वायुसेना को तीन एचटीटी 40 बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट की पहली खेप और पवन हंस लिमिटेड को ध्रुव नेक्स्ट जनरेशन (एनजी) हेलीकॉप्टर सौंपे जाएंगे। एचटीटी-40 की डिलीवरी इंजन आपूर्ति की वजह से लंबे समय से अटकी थी।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) 18 सितंबर को बेंगलुरु में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू की मौजूदगी में भारतीय वायु सेना को एलसीए तेजस के ट्विन सीटर ट्रेनर्स सौंपेगा। एचएएल की ओर से सौंपे जाने वाले दो एलसीए मार्क-1 ट्रेनर विमान भारतीय वायु सेना के 40

विमानों के पुराने ऑर्डर की अंतिम खेप हैं। वायु सेना ने ये 40 विमान दो चरणों में मार्च, 2006 और दिसंबर, 2010 में ऑर्डर किए थे। इनमें से 38 विमान पहले ही वायु सेना को सौंपे जा चुके हैं। अब अंतिम दो ट्विन-सीट ट्रेनर विमानों की डिलीवरी के साथ इस शुरुआती एलसीए मार्क-1 ऑर्डर की आपूर्ति पूरी हो जाएगी। एलसीए तेजस का एफओसी ट्विन सीटर एक एडवांस्ड फाइटर ट्रेनर विमान है, जिसे एचएएल ने तैयार किया है। इसका मुख्य काम भारतीय वायु सेना के नए पायलटों को फाइटर जेट उड़ाने की ट्रेनिंग देना है। यह सिर्फ ट्रेनिंग के लिए ही नहीं बना है, बल्कि जरूरत पड़ने पर असली फाइटर प्लेन की तरह दुश्मनों पर हमला भी कर सकता है। इसमें आधुनिक ग्लास कॉकपिट और रडार सिस्टम मौजूद हैं। यह सटीक हथियारों और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को दागने में पूरी तरह सक्षम है। यह दुनिया के सबसे छोटे और हल्के सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है, जो डेल्टा-विंग डिजाइन के कारण बेहद तेजी से दिशा बदलने में सक्षम है। यह विमान 2,205 किलोमीटर प्रति घंटा (मैक 1.8) की शीर्ष गति से उड़ सकता है और 50 हजार फीट से अधिक ऊंचाई तक जाने में सक्षम है। इसमें 9 हार्ड पॉइंट दिए गए हैं, जिन पर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, लेजर गाइडेड बम और सटीक निशाना साधने वाले हथियार लगाए जा सकते हैं। इसमें डिजिटल ग्लास कॉकपिट, एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैंड एरे रडार और हवा में ही ईंधन भरने की भी क्षमता है। इसमें मार्टिन बेकर इजेक्शन सीट लगी है, जो आपात स्थिति में पायलट की जान सुरक्षित बचाने में मदद करती है। इसके अलावा इसी कार्यक्रम में वायुसेना को तीन एचटीटी 40 बेसिक ट्रेनर एयरक्राफ्ट की पहली खेप और पवन हंस लिमिटेड को ध्रुव नेक्स्ट जनरेशन (एनजी) हेलीकॉप्टर सौंपे जाएंगे। एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमानों की आपूर्ति लंबे समय से अटकी हुई थी। इसकी मुख्य वजह हनीवेल के टीपीई-331-12बी टर्बोप्रॉप इंजन की आपूर्ति में आई वैश्विक सप्लाई चेन की दिक्कत थी।

तमिलनाडु : नवोदय विद्यालय पर सुप्रीम कोर्ट सख्त,सरकार से कहा...अपना नजरिया बदलें

चेन्नई,17 सितम्बर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार को राज्य के हर जिले में नवोदय विद्यालय स्थापित करने के लिए जरूरी जमीन चिन्हित करने के अपने दिसंबर 2025 के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि संघीय ढांचे में केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है। अदालत ने सवाल किया कि अगर समवर्ती सूची में केंद्र सरकार कोई नीति लेकर आती है और हर राज्य यह कहने लगे कि वह उसे स्वीकार नहीं करता, तो संघीय व्यवस्था कैसे चलेगी। पीठ ने तमिलनाडु सरकार से इस मामले में अपना नजरिया बदलने को भी कहा।

दिसंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था...

15 दिसंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को राज्य के प्रत्येक जिले में नवोदय विद्यालय स्थापित करने के लिए जरूरी जमीन की पहचान करने का निर्देश दिया था। अदालत ने इसके लिए छह सप्ताह का समय दिया था।

नवोदय विद्यालयों को लेकर तमिलनाडु की आपत्ति

तमिलनाडु सरकार ने राज्य में नवोदय विद्यालय स्थापित करने का विरोध मुख्य रूप से इन स्कूलों में लागू तीन-भाषा नीति वाले पाठ्यक्रम को लेकर किया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने राज्य के वकील से कहा कि यदि राज्य यह कहता है कि वह तमिलनाडु की जमीन पर हिंदी पढ़ाए जाने के कारण नवोदय विद्यालय नहीं चाहता, तो पहले अपना नजरिया बदलना होगा।

संपादकीय

यूपीआई भुगतान दर

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट दर यानी शुल्क लगाने का रास्ता साफ होने के बाद इसे लेकर आम लोगों से लेकर विशेषज्ञों तक की राय बंटी हुई है। इसके बीच सरकार ने ऐसे संकेत दिए है कि यूपीआई भुगतान पर मामूली शुल्क लगाने का निर्णय यथावत रहेगा। उसकी ओर से यह स्पष्टीकरण भी आया है कि व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन पर कोई फीस देय नहीं होगी और दो हजार रुपये से ऊपर की राशि के भुगतान पर जो फीस लगेगी,वह लोगों को नहीं,बल्कि व्यापारियों को चुकानी होगी।

इस पर व्यापारी वर्ग ने अपनी चिंता जता दी है। उनकी चिंता से अलग आम लोगों की चिंता यह है कि व्यापारी अंततः अपना शुल्क उनसे ही वसूल करेंगे। इस कारण इसकी आशंका जताई जा रही है कि नकदी का चलन और कालेधन वाली आर्थिकी को बल मिल सकता है। भविष्य में जो भी हो,आज जब यूपीआई लेनदेन लोकप्रिय और आसान होने के साथ तेजी से बढ़ भी रहा है,तब ऐसा कुछ नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उसका विस्तार थमे।

विस्तार इसलिए थम सकता है,क्योंकि दो हजार रुपये की सीमा बहुत कम है। यदि सरकार के फैसले के चलते यूपीआई लेनदेन में कमी आती है तो यह अच्छा नहीं होगा। आज की आवश्यकता यह है कि आनलाइन भुगतान की प्रवृत्ति बढ़ती रहे। यह समय की मांग है कि फिनटेक कंपनियों को आनलाइन लेनदेन संबंधी व्यवस्था के संचालन के लिए आर्थिक संबल भी मिले। यह इसलिए मिलना चाहिए,क्योंकि किसी भी व्यवस्था के संचालन की एक लागत होती है। यूपीआई भुगतान का विस्तार होने से यह लागत राशि और बढ़ेगी ही।

अभी इस लागत राशि का एक हिस्सा सब्सिडी के रूप में सरकार बैंकों और फिनटेक कंपनियों को चुकाती है। यह भी जनता का ही पैसा होता है। स्पष्ट है कि यह स्थिति टिकाऊ नहीं। फिनटेक कंपनियों को सक्षम बनाना ही होगा। बीच का रास्ता यह हो सकता है और इस पर विचार भी किया जाना चाहिए कि फीस वाले यूपीआई भुगतान की सीमा को दो हजार रुपये से अधिक की जाए। इससे आम जनता को राहत भी मिलेगी और पिछले एक दशक की भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि और सशक्त एवं लोकप्रिय भी होगी।

ध्यान रहे कि आनलाइन भुगतान की भारतीय प्रणाली की सराहना दुनिया भर में होती है। इस प्रणाली का और अधिक विस्तार हो,इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसा करते हुए सरकार को उन अनर्गल आरोपों का प्रभावी ढंग से जवाब भी देना होगा,जिनके तहत यह अफवाह फैलाई जा रही है कि सरकार ने अमेरिका के दबाव में फैसला लिया है और इससे अमेरिकी कार्ड कंपनियों को लाभ होगा। यह अफवाह फैलाने वाले इस तथ्य को जानबूझकर अनदेखा कर रहे हैं कि अमेरिकी कार्ड कंपनियों के मुकाबले यूपीआई भुगतान दर कहीं कम है।

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है,बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत,गति और भाषा तीनों बदल दी है। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत,छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू.300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है,बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए,जिनका कुल मूल्य लगभग

रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं,बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं,स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये,पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी,बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त,अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार,डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है,लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार,स्ट्रीटवेंडर,घरेलू उद्यमी,ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100,रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है,बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड,नेट बैंकिंग,वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है,लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क,सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं,बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए।

दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर,डेटा सेंटर,साइबर सुरक्षा,धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां,ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं,वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं,सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार,बैंक,फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं,बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए,तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है,किस पर लागत है,लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता,सुरक्षा,पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता,नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है।

यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती,सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें,छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े,बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो,शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें,ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं,बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं,आर्थिक जीवन की धड़कन है।

इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए- 'उपभोक्ता का विश्वास,छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'

महिला कल्याण विभाग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

विकास भवन के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ के बाहर पीपल के पुराने चबूतरे पर बहत्तर साल की कौशल्या देवी हर बुधवार सुबह ठीक दस बजे आकर बैठ जाती थीं। उनकी कांपती गोद में लोहे की एक पुरानी सिलाई मशीन का जंग लगा गोल पहिया और बिना धागे की एक मुड़ी हुई सुई हमेशा रखी रहती थी। दफ़्तर का नया चपरासी जब भी उन्हें धूप में बैठा देखता तो चाय का कुल्हड़ मेज़ पर रखते हुए ठहाका लगाकर कहता कि अम्मा जब आज छब्बीस अगस्त को महिला समानता दिवस के मौके पर बड़े साहब खुद नई सिलाई मशीनें और चेक बांटने आ रहे हैं तो इस लोहे के कबाड़ वाले पहिये को रोज़ अपनी छाती से लगाकर यहाँ अफ़सरों के आगे क्या तमाशा खड़ा करती हो। कौशल्या देवी अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को धोती के छोर से साफ करतीं और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहतीं कि बेटा यह लोहे का गोल पहिया केवल कबाड़ नहीं है बल्कि इस पूरे महिला कल्याण विभाग की वो टूटी हुई धुरी है जिसने मेरी बेटी के स्वाभिमान को कागज़ों की स्याही में हमेशा के लिए दफ़्न कर दिया है। आसपास खड़े तमाम मुंशी और क्लर्क उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में अम्मा की मति मारी गई है जो समानता दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चली आई हैं। कौशल्या देवी किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस लोहे के पहिये को अपनी कांपती उंगलियों से सहलातीं और चुपचाप गाड़ियों के काफिले का इंतज़ार करती रहती थीं।

महिला कल्याण विभाग के तमाम बाबू और अधिकारी कौशल्या देवी की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह वाकिफ थे और उन्हें एक सनकी वृद्धा मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फाइलों का पुलिंदा लेकर निदेशक के केबिन की तरफ बढ़ता तो कौशल्या देवी बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़ी हो जातीं और हाथ जोड़कर कहतीं कि बाबू जी क्या आज उस स्वरोज़गार अनुदान और सुरक्षा वाले कागज़ पर साहब के दस्तखत हो गए। बाबू गुस्से में फाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि अरे अम्मा जब तक डिजिटल पोर्टल पर आधार का ऑनलाइन सत्यापन पूरा नहीं होगा और तहसील से जांच रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक कागज़ आगे नहीं बढ़ेगा और तुम इस जंग लगे पहिये को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटती रहोगी। कौशल्या देवी बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जातीं और उस लोहे के पहिये को अपनी हथेली पर घुमाने का निरर्थक प्रयास करने लगतीं जो हर बार लड़खड़ाकर उनकी गोदी में गिर जाता था। कस्बे के लोग आपस में तरह-तरह की बातें करते कि शायद अम्मा अपने किसी पुराने भत्ते के लिए यह सब कर रही हैं लेकिन किसी को भी उस पहिये और महिला समानता के इस भव्य जलसे के बीच छुपे भयानक रहस्य की ज़रा सी भी भनक नहीं थी। दोपहर मं अचानक महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के प्रमुख सचिव महोदय महिला समानता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करने उसी विकास भवन पहुँचे। साहब की गाड़ी का सायरन बजते ही पूरे परिसर में खलबली मच गई और आनन-फानन में स्वागत के लिए नए बैनर टांगे जाने लगे ताकि कोई कमी न दिखाई दे। मंच पर दीप प्रज्वलन और नारी सशक्तिकरण पर लंबा भाषण देने के बाद जब सचिव महोदय पत्रकारों की भीड़ के साथ बाहर निकले तो उनकी नज़र चबूतरे पर शांत बैठी कौशल्या देवी पर पड़ी जिनकी गोद में वही जंग लगा पहिया रखा था।

मरीज ग्राहक नहीं,कैदी है : अस्पताल में विकल्पहीनता का सच

आयुष्मान के बावजूद टूटती कमर...मध्यमवर्ग की चुपचाप कटती जेब... बीमारी शरीर की,सजा जेब की...मेडिकल आइटम्स पर छिपा हुआ लूटतंत्र...

अस्पताल के दरवाजे तक आदमी बीमारी लेकर पहुंचता है,लेकिन लौटते समय अक्सर भारी बिल का बोझ साथ होता है। हैरानी यह कि इलाज का सबसे

प्रो.आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

महंगा हिस्सा हमेशा दवा या ऑपरेशन नहीं होता; कई बार कुछ रुपये की मामूली प्लास्टिक ट्यूब ही जेब पर सबसे बड़ा वार कर जाती है। महाराष्ट्र एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे की सर्वे रिपोर्ट ने मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों पर भारी मार्कअप की यही चुभती हकीकत सामने रखी है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये (2,841 प्रतिशत मार्कअप),6.75 रुपये की सिरिंज 57.20 रुपये और 29.41 रुपये का कैथेटर 310 रुपये में मरीज तक पहुंच सकता है। यानी बीमारी का इलाज विज्ञान करता है,लेकिन बिल का हिसाब ऐसा है कि मरीज को हर कदम पर अपनी जेब का इलाज करना पड़ता है।

2,841 प्रतिशत का मार्कअप यानी खरीद कीमत का लगभग 29 गुना–मामूली आंकड़ा नहीं। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में मरीज के बिल तक पहुंच सकता है, तो सवाल है कि कीमत इतनी क्यों बढ़ी? अस्पताल के अपने खर्च हैं–स्टाफ,मशीनें,बिजली-पानी और दूसरी व्यवस्थाएं। यह उचित है। लेकिन अस्पताल कोई धर्मशाला नहीं,तो मरीज भी बीमारी के नाम पर पैसा उगलने वाला एटीएम नहीं। दस-बीस प्रतिशत के सामान्य व्यापारिक मार्जिन और हजारों प्रतिशत के अंतर को एक तराजू में नहीं तौला जा सकता। 11.05 रुपये की वस्तु 325 रुपये में पहुंचे,तो सवाल सिर्फ मुनाफे का नहीं,पारदर्शिता का है। इलाज में कीमत का सच छिपेगा,तो भरोसा भी धीरे-धीरे भय में बदल जाएगा।

बाजार में ग्राहक के पास मोलभाव और विकल्प होते हैं;अस्पताल के बिस्तर पर पड़ा मरीज इनसे लगभग वंचित होता है। दुकान पर महंगी चीज छोड़कर दूसरी दुकान जा सकते हैं,लेकिन अस्पताल में बीमारी की तात्कालिकता,डॉक्टर की सलाह और परिवार की चिंता विकल्प सीमित कर देती है। वह चाहकर भी नहीं कह सकता...सिरिंज महंगी है,दूसरी जगह से ले आता हूं। उस क्षण वह ग्राहक नहीं, अपनी मजबूरी के हवाले मरीज होता है। इसलिए मेडिकल आइटम की मनमानी कीमत केवल पैसे नहीं,अधिकार का सवाल है। मरीज को पता होना चाहिए कि वस्तु कितने में खरीदी गई,उसकी निर्धारित कीमत क्या है और उससे कितनी रकम ली जा रही है। इलाज में पारदर्शिता सुविधा नहीं,मरीज का अधिकार है।

मरीज के हाथ में पहुंचा बिल कहानी का आखिरी पन्ना है;कीमत का खेल उससे बहुत पहले शुरू होता है। तुकाराम मुंडे की रिपोर्ट इसी परत को खोलती है। निर्माता से वितरक और आपूर्ति श्रृंखला के अलग-अलग पड़ावों तक कीमत बढ़ती है। मुंडे के अनुसार,एमआरपी अक्सर अस्पताल पहुंचने से पहले ही तय हो चुका होता है,जिसका अंतिम बोझ मरीज के बिल पर पड़ता है। दवाओं की कीमतों पर नियमन है,लेकिन अधिकांश मेडिकल उपभोग्य सामग्रियां लंबे समय तक ऐसी कठोर निगरानी से बाहर रहीं। नतीजा यह कि इलाज की जरूरी मामूली वस्तु भी कीमतों की ऐसी भूलभुलैया में पहुंच गई, जिसका रास्ता मरीज को दिखाई नहीं देता। अब उद्योग संगठन भी उचित मूल्य और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। यानी सवाल किसी एक अस्पताल का नहीं,पूरी व्यवस्था की जवाबदेही का है।

बीमारी घर में आती है तो सबसे पहले बजट टूटता है। मध्यमवर्ग सबसे अधिक पिसता है–न पूरी सरकारी मदद मिलती है, न निजी इलाज का भारी खर्च आसानी से उठता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने इलाज की पहुंच बढ़ाई है, फिर भी निजी अस्पतालों में मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों का खर्च बड़ा सवाल है। कई बार दवाओं से ज्यादा बिल उन छोटी चीजों का बनता है,जिन्हें मरीज बाजार में सस्ता समझता है। फिर परिवार सोचता है...कहां से उधार लें,क्या गिरवी रखें,कौन-सा खर्च रोकें। बीमारी मरीज को बिस्तर पर लिटाती है,भारी बिल पूरे परिवार की कमर तोड़ देता है। इसे सिर्फ व्यापार कहना इस पीड़ा को छोटा करना है।

मरीज को इलाज चाहिए,सिफारिशों की फाइल नहीं। सरकार नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी और संबंधित विभाग को सिफारिश भेज चुकी है,लेकिन जरूरत अब कागज से आगे बढ़ने की है। जरूरी मेडिकल उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कीमतों पर नियंत्रण हो,व्यापारिक मार्जिन की तार्किक सीमा तय हो और बिल में खरीद मूल्य व मरीज से वसूली गई रकम साफ लिखी जाए। मरीज को अपने इलाज का हिसाब समझने के लिए अर्थशास्त्र पढ़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उसे बस पता हो कि वस्तु कितने में आई और उससे कितने लिए गए। स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता कोई सुविधा नहीं,भरोसे की पहली शर्त है।

यह समस्या महाराष्ट्र की सीमा पर खड़ी कोई अकेली दीवार नहीं है। निजी स्वास्थ्य व्यवस्था में अस्पताल का बिल, इलाज की कीमत और बीमा खर्च एक-दूसरे से जुड़े हैं। आज बढ़ा इलाज खर्च कल बीमा प्रीमियम के रूप में आम आदमी की जेब पर लौट सकता है। सवाल सीधा है–स्वास्थ्य सेवा का मकसद मरीज को स्वस्थ करना है या उसकी मजबूरी से कमाई करना? अस्पतालों को खर्च निकालने और उचित लाभ कमाने का अधिकार है,लेकिन मुनाफे की भी सीमा और मर्यादा होती है। जिस मरीज के पास बीमारी के समय सौदेबाजी का विकल्प नहीं,उसकी मजबूरी कमाई का आधार बन जाए तो स्वास्थ्य सेवा का भरोसा ही कटघरे में खड़ा हो जाता है।

अस्पताल में इलाज के साथ भरोसा भी दांव पर होता है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में बिकना इसी भरोसे पर सवाल है। बीमारी में परिवार डॉक्टर,अस्पताल और व्यवस्था पर विश्वास करता है कि उसकी मजबूरी समझी जाएगी, उसका फायदा नहीं उठाया जाएगा। लेकिन मामूली मेडिकल वस्तु पर हजारों प्रतिशत का अंतर सामने आए तो चोट जेब और विश्वास, दोनों पर पड़ती है। इस मूल्य-अंधेरे को दूर करना सरकार, नियामक संस्थाओं, निर्माताओं, वितरकों और अस्पतालों–सभी की जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवा की पहचान महंगी मशीनों से नहीं, पारदर्शिता और ईमानदारी से होनी चाहिए। वरना सवाल रहेगा–बीमारी शरीर की थी, फिर इलाज के साथ मेरी जेब को सजा क्यों मिली?

हिंदी कवितायें

सफर तो अकेले तय करना है...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

कोई साथ दे ना दे,जिंदगी का सफर
तो अकेले ही तय करना होगा।
जख्मों पर मरहम लगे या ना लगे
पीड़ा तो अकेले ही सहनी पड़ेगी।
गम और खुशी में कोई साथ दे
या ना दे,एहसास तो अपना होगा।
जिंदगी में पतझड़ हो या बसंत
गुजरना तो बस इसमें अकेले पड़ेगा।
कोई साथ नहीं देता
प्रसव पीड़ा के समय
औरत को खुद ही
अकेले भोगना पड़ता है।
मां बाप में अगर
कोई छोड़ जाए यह दुनिया
उसका दुःख तो केवल
संतान ही जानती है।
अगर हो जाए कोई चर्म रोग का मरीज
संबंधित तकलीफ
अकेले ही भोगनी पड़ती है।
उलझे हुए हैं सभी अपने-अपने सुख
और दुख में
जहां में कब किसी को
दूसरे के लिए फुर्सत मिली है।
ऊपर वाले ने
इस कदर यह दुनिया बनाई है
अकेले ही भोगी
जिस पर जब बन आई है।

नौकरी का वेतन और ड्यूटी का हिसाब

संजय एम तराणेकर
इन्दौर,
मध्यप्रदेश

सरकारी कुर्सी मिली तो जिम्मेदारी साथ आई,
वेतन केवल हक नहीं,ड्यूटी की शपथ समाई।
छह महीने ड्यूटी से दूरी,फिर भी वेतन जारी,
सवाल उठा तो दफ्तर में हर कोई थोड़ा भारी।
पीजी की पढ़ाई,नौकरी की ड्यूटी अपनी बात,
दोनों साथ निभाने में नियमों का साफ हिसाब।
सिफारिश हो या रिश्ते,कानून सभी के लिए हो,
सरकारी पद पे बैठों तो कर्तव्य के प्रति नेक हो।
70 हजार तनख्वाह में जनता का हैं पैसा जुड़ा,
हर एक रुपये के पीछे विश्वास किसी का खड़ा।
जांच अगर अब हो रही है,सच सामने आने दो,
दोषी कौन-निर्दोष कौन नियमों को बतलाने दो।

शुल्क की आहट और यूपीआई का भविष्य

प्रियंका सौरभ,हिसार,हरियाणा

अंततःअमेरिकी दबाव ने असर दिखाया–यह निष्कर्ष आकर्षक जरूर है, लेकिन 14 सितंबर की वित्त मंत्रालय की अधिसूचना को समझने के लिए थोड़ी सावधानी जरूरी है। अधिसूचना ने ₹2,000 तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क लगाने से बैंकों और भुगतान-प्रणाली प्रदाताओं को रोक दिया है। परंतु ₹2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर तत्काल कोई उपभोक्ता शुल्क लागू नहीं किया गया है; अधिसूचना ने केवल बड़े लेन-देन पर भविष्य में शुल्क या एमडीआर की संभावना के लिए रास्ता खुला छोड़ा है। फिर भी चिंता वास्तविक है। क्योंकि नीतियों का असर केवल उस शब्द से नहीं समझा जाता जो अधिसूचना में लिखा है; यह भी देखना पड़ता है कि उसके बाद बाजार का व्यवहार किस दिशा में जाता है। आज शुल्क सीधे ग्राहक से न लिया जाए, कल व्यापारी से लिया जाए और परसों व्यापारी उसे वस्तुओं और सेवाओं की कीमत में जोड़ दे–तो अंततः भार उपभोक्ता पर ही आ सकता है। आर्थिक व्यवस्था में लागत का कोई भी नया तत्व लंबे समय तक अपने मूल स्थान पर नहीं रहता;वह किसी न किसी रूप में कीमत, कमीशन या सेवा-शुल्क बनकर बाजार में फैल सकता है। सरकार का वर्तमान निर्णय यह नहीं कहता कि ₹2,000 से ऊपर का हर यूपीआई भुगतान अब शुल्कयुक्त हो गया है। अधिसूचना का स्पष्ट प्रावधान यह है कि ₹2,000 तक के यूपीआई लेन-देन पर बैंक या भुगतान-प्रणाली प्रदाता भुगतान करने वाले अथवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शुल्क नहीं ले सकते। बड़े भुगतान के संबंध में न तो कोई निश्चित दर घोषित की गई है और न ही यह कहा गया है कि आम उपयोगकर्ता को तुरंत अतिरिक्त पैसा देना होगा।

लेकिन नीति का संकेत उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका वर्तमान प्रभाव। लंबे समय से यूपीआई पर एमडीआर यानी व्यापारी छूट दर लगाने की चर्चा चलती रही है। एमडीआर वह शुल्क है जो किसी डिजिटल भुगतान को संसाधित करने के लिए व्यापारी या भुगतान-प्रणाली से जुड़े पक्षों के बीच लिया जाता है। यदि भविष्य में ₹2,000 से अधिक के व्यापारी भुगतान पर एमडीआर लगाया गया, तो बैंक, भुगतान अनुप्रयोग और भुगतान-संसाधक अपनी लागत वसूलने का प्रयास कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ नागरिकों की आशंका शुरू होती है। सरकार शायद यह तर्क दे सकती है कि छोटे भुगतान गरीब,निम्न-मध्यमवर्गीय और रोजमर्रा के उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहेंगे। यह तर्क अपने आप में समझने योग्य है। चाय,दूध,सब्जी, स्थानीय परिवहन या छोटी दुकान के भुगतान पर शुल्क न लगे,यह डिजिटल समावेशन के लिए महत्वपूर्ण है। मगर प्रश्न यह है कि क्या ₹2,000 की सीमा के ऊपर शुल्क लगाने की व्यवस्था बड़े व्यापार तक सीमित रहेगी? और यदि वह

सीमित रहेगी,तो इसकी निगरानी कौन करेगा? यह मान लेना कठिन है कि व्यापारी अतिरिक्त लागत को हमेशा अपने मुनाफे से वहन करेगा। बड़े संगठित कारोबार कुछ समय तक भुगतान-प्रसंस्करण की लागत को सह सकते हैं, पर छोटे व्यापारियों के लिए हर शुल्क मायने रखता है। किराना दुकानदार, ऑनलाइन विक्रेता,निजी शिक्षक, चिकित्सक,मरम्मत-कर्मी और छोटे सेवा-प्रदाता अपनी लागत को किसी न किसी रूप में ग्राहक तक पहुंचा सकते हैं।

कल्पना कीजिए कि किसी व्यापारी पर प्रत्येक बड़े यूपीआई भुगतान पर एक प्रतिशत का शुल्क लगता है। वह ग्राहक को कह सकता है कि नकद भुगतान करें,या डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त राशि दें, या वस्तु की कीमत में मामूली वृद्धि कर सकता है। ग्राहक को अलग से शुल्क दिखाई न दे,फिर भी वह बढ़ी हुई कीमत के रूप में भुगतान कर सकता है। इसीलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि शुल्क प्राप्तकर्ता देगा। प्राप्तकर्ता भी बाजार का हिस्सा है और बाजार में कोई भी लागत अंततः कीमतों में समायोजित हो सकती है। इससे डिजिटल भुगतान की उस सहजता पर भी असर पड़ सकता है जिसने यूपीआई को भारत के आर्थिक जीवन का सामान्य हिस्सा बना दिया है। आज ग्राहक को यह सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि भुगतान के लिए उसके पास नकद है या कार्ड। मोबाइल और बैंक खाते के सहारे कुछ सेकंड में लेन-देन पूरा हो जाता है। यदि बड़े भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क,असफल लेन-देन,अलग-अलग अनुप्रयोगों की दरें या व्यापारी द्वारा मनमाना अधिभार आने लगे, तो यह भरोसा कमजोर हो सकता है।

अमेरिकी कंपनियों और ट्रंप प्रशासन के दबाव का आरोप राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है,लेकिन इसे प्रमाणित तथ्य की तरह प्रस्तुत करने से पहले ठोस दस्तावेज,आधिकारिक बयान और वार्ताओं का सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने होना चाहिए। विदेशी कंपनियों का अपने हितों के लिए सरकारों पर दबाव बनाना असामान्य नहीं है। वैश्विक भुगतान कंपनियां चाहती हैं कि भुगतान बाजार में प्रतिस्पर्धा के नियम उनके अनुकूल हों और घरेलू प्रणालियों पर लगाए गए संरक्षणात्मक प्रावधान धीरे-धीरे कम हों।

यह भी सच है कि यूपीआई ने भारत में भुगतान के क्षेत्र में ऐसा मॉडल खड़ा किया है जिसमें उपयोगकर्ता को लगभग शून्य लागत पर त्वरित भुगतान की सुविधा मिली। इस व्यवस्था ने पारंपरिक कार्ड नेटवर्क और विदेशी भुगतान कंपनियों के व्यावसायिक मॉडल को चुनौती दी है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कारोबारी हितों का इस बहस में होना स्वाभाविक है। मगर किसी नीति-निर्णय को केवल अमेरिका के दबाव का परिणाम बताने से घरेलू आर्थिक कारणों की चर्चा अधूरी रह जाती है। बैंकों और भुगतान अनुप्रयोगों का तर्क है कि यूपीआई के व्यापक संचालन,साइबर सुरक्षा, तकनीकी ढांचे और ग्राहक-सहायता पर खर्च होता है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
सम्पादक

CMYK

2028 की तैयारी : कांग्रेस ने संभाग में संगठन मजबूत करने का खाका खींचा

तीन दिन के प्रशिक्षण शिविर का समापन,बैज बोले...अभी कांग्रेस की फील्डिंग,भाजपा के विकेट गिरने लगे;महंगाई-बेरोजगारी को बनाया मुद्दा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

2028 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अभी से संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की तैयारी शुरू कर दी है। अंबिकापुर के होटल म्यूरा में आयोजित सरगुजा संभाग के छह जिलों के ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी,किसानों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के जरिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जा रहा है और आने वाले समय में कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाई जाएगी। प्रेसवार्ता में बैज ने कहा कि कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक तंज कसते हुए कहा... 'कांग्रेस अभी फील्डिंग कर रही है, बैटिंग शुरू नहीं हुई है और भाजपा के विकेट अभी से गिरने लगे हैं। बैज ने

महंगाई और रोजगार को लेकर राज्य सरकार से उसके चुनावी वादों पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले महंगाई कम करने,युवाओं को रोजगार देने, किसानों की आय दोगुनी करने सहित कई वादे किए गए थे। कांग्रेस का दावा है कि इनमें से कई वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने एक लाख युवाओं को नौकरी देने, संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, रसोइयों के वेतनमान और 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने के वादे का भी उल्लेख किया।

झीरम पर कहा...बड़े षड्यंत्र की जांच जरूरी : झीरम घाटी मामले में एनआईए की विशेष अदालत द्वारा 10 दोषियों को मृत्युदंड दिए जाने के बाद बैज ने कहा कि कांग्रेस अदालत के फैसले का सम्मान करती है, लेकिन घटना के व्यापक षड्यंत्र की जांच को लेकर उसके सवाल कायम हैं। 16 सितंबर को जगदलपुर की विशेष एनआईए अदालत ने 2013 के झीरम घाटी हमले के 10 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। बैज ने कहा कि पार्टी यह जानना चाहती है कि हमले के पीछे कथित बड़े नक्सली कमांडरों और अन्य लोगों की भूमिका की जांच किस स्तर तक हुई। उन्होंने घटना के समय सुरक्षा व्यवस्था और रोड ओपनिंग पार्टी की तैनाती को लेकर भी सवाल उठाए।

कांग्रेस का कहना है कि इस मामले में उसके सवाल तब तक बने रहेंगे,जब तक पार्टी द्वारा उठाए गए इन पहलुओं पर स्थिति स्पष्ट नहीं होती।

'तेल महंगा है,भाजपा दीया पानी से जलाए'

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित सेवा कार्यक्रमों को लेकर भी बैज ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने महंगाई और तेल की कीमतों का जिक्र करते हुए कहा... कि एक तरफ तेल महंगा होने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों दीये जलाने के आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने इन आयोजनों के खर्च को लेकर सरकार से हिसाब देने की मांग की।

यूपीआई शुल्क को लेकर सिंहदेव ने उठाया सवाल...

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने डिजिटल भुगतान और यूपीआई से जुड़े संभावित शुल्क को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर इसे आम लोगों और छोटे कारोबारियों के लिए आसान बनाया गया था। ऐसे में छोटी राशि के भुगतान पर शुल्क लगने से छोटे व्यापारियों और उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पडने की आशंका है। प्रेसवार्ता में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत सहित कांग्रेस के अन्य नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान तेज, 783 लोगों का हुआ छाती का एक्स-रे

47 संदिग्धों की बलगम जांच,संपर्क में आए लोगों को बचाव की दवाइयां, मरीजों को 6 माह तक हर महीने मिलेंगे 1000 रुपए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत संभावित टीबी मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग ने स्क्रीनिंग तेज कर दी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के सभी विकासखंडों में अब तक 783 लोगों की छाती का एक्स-रे कराया गया है। इनमें टीबी के संदिग्ध पाए गए 47 लोगों की बलगम जांच भी कराई गई है। पुष्टि होने वाले मरीजों का तत्काल उपचार शुरू कराने पर जोर दिया जा रहा है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि टीबी की जल्द पहचान और समय पर उपचार से बीमारी की गंभीरता और जटिलताओं को कम किया जा सकता है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार सरगुजा में टीबी से संक्रमित करीब 100 मरीजों में से लगभग 3 की मृत्यु हो जाती है। इस स्थिति को कम करने के लिए मरीजों की समय पर पहचान, नियमित उपचार,पोषण सहायता और दवा का कोर्स पूरा करना जरूरी है। अभियान के दौरान टीबी मरीजों के संपर्क में रहने वाले परिवार के सदस्यों और अन्य पात्र लोगों की भी जांच की जा रही है। जिन लोगों में सक्रिय टीबी नहीं पाई जाती,उन्हें चिकित्सकीय सलाह के अनुसार टीबी से बचाव की दवाइयां दी जा रही हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में उनमें टीबी विकसित होने के जोखिम को कम करना है।

मरीजों को पोषण सहायता और फूड बास्केट :

टीबी की पुष्टि होने वाले मरीजों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ उपचार अवधि में 6 माह तक हर महीने 1000 रुपए की पोषण सहायता दी जा रही है। इसके अलावा जिला स्तर पर सामाजिक सरोकार के तहत मरीजों को 500 रुपए मूल्य का फूड बास्केट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य शिविरों में नए संदिग्ध मरीजों की जांच के साथ टीबी से स्वस्थ हो चुके मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण और फॉलोअप भी किया जा रहा है। प्रत्येक हितग्राही की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार और फॉलोअप की जानकारी निक्षय पोर्टल पर दर्ज की जा रही है, जिससे मरीजों की नियमित निगरानी की जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों,मधुमेह मरीजों, बार-बार बीमार पडने वाले लोगों और टीबी के लक्षण वाले व्यक्तियों से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच कराने की अपील की है।

ससुर की हत्या की सुपारी,5 लाख में सौदा!

तलाक के विवाद में दामाद ने रची साजिश...किराए का मकान दिखाने के बहाने चाकूबाजी...इलाज के दौरान मौत... 3 आरोपी चंद घंटे में गिरफ्तार...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

तलाक के विवाद में ससुर की हत्या की सुपारी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दामाद ने ससुर को रास्ते से हटाने के लिए 5 लाख रुपए में सौदा तय किया और झारखंड से आरोपियों को बुलाकर वारदात करा दी। रसूलपुर में किराए का मकान देखने के बहाने पहुंचे तीन युवकों ने ससुर पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया।3 गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती वसीरुद्दीन सिद्दीकी की इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली एवं साइबर सेल की टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले में तीन आरोपियों को चंद घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है।

मकान देखने के बहाने पहुंचे, चाकू से हमला : पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर की सुबह करीब 10:15 बजे रसूलपुर, अंबिकापुर में तीन अज्ञात व्यक्ति किराए का मकान देखने के बहाने सादिया शारीन सिद्दीकी के घर पहुंचे थे। वहां सादिया के पिता वसीरुद्दीन सिद्दीकी से मकान के संबंध में बातचीत के दौरान तीनों ने मिलकर उन पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। प्रार्थिया ने पुलिस को बताया कि उसका पति मो. नाजिम शबा के साथ तलाक का प्रकरण न्यायालय में रहा है। आरोप है कि पूर्व में पति द्वारा केस वापस नहीं लेने पर उसे और मायके के परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी।

5 लाख में हत्या का सौदा,झारखंड से बुलाए आरोपी : जांच के दौरान पुलिस ने नामजद आरोपी मो. नाजिम शबा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक,आरोपी ने अपने मेमोरेंडम कथन में ससुर की हत्या कराने के लिए एक व्यक्ति से 5 लाख रुपए में सौदा तय करने की बात बताई। इसके बाद चैनपुर, पलामू से कंचन कुमार एवं अन्य आरोपियों को अंबिकापुर बुलाया गया। आरोपियों को अजिरमा में गुड्डू उर्फ नेजारूउद्दीन के किराए के कमरे में ठहराया गया,जहां वारदात की योजना बनाई गई। पुलिस के अनुसार, घटना के दिन कंचन कुमार एवं दो अन्य आरोपी मोटरसाइकिल से रसूलपुर पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया।

मोटरसाइकिल,खून लगे कपड़े और बस टिकट जब्त : तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। कंचन कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार,उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल,घटना के समय पहने गए खून लगे कपड़े और बस टिकट जब्त किया गया है। इसके बाद नेजारूउद्दीन उर्फ गुड्डू को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार,पूछताछ में उसने घटना में शामिल होना स्वीकार किया।

हत्या का मामला दर्ज,साजिश और साक्ष्य छिपाने की धाराएं जुड़ीं :

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर कोतवाली अंबिकापुर में अपराध क्रमांक 647/26 के तहत प्रारंभिक रूप से धारा 109(1), 3(5) बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया था। घायल की मृत्यु होने के बाद प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस जोड़ी गई। पुलिस के अनुसार, आपराधिक साजिश एवं साक्ष्य छिपाने के आरोप में धारा 61(2) और 238 बीएनएस भी जोड़ी गई हैं। पुलिस ने तीनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

नाकेबंदी से लेकर साइबर जांच तक कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में कोतवाली, साइबर सेल और फॉरेंसिक टीम ने कार्रवाई की। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिले के थाना क्षेत्रों एवं सीमावर्ती रास्तों पर चेकिंग अभियान चलाया गया।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

कोतवाली थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह,एएसआई अदीप प्रताप सिंह,एएसआई विवेक पाण्डेय,प्रधान आरक्षक सुरजीत कोरी,प्रधान आरक्षक सतीश सिंह,आरक्षक विवेक राय,नितिन सिन्हा एवं नगर सैनिक दशरथ राजवाड़े। साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा,प्रधान आरक्षक जयदीप सिंह, विकास सिन्हा,आरक्षक जितेश साहू,अशोक यादव,रमेश राजवाड़े,अमन पुरी एवं राहुल केरकेट्टा की भूमिका रही।

मेडिकल कॉलेज से घर लौट रही नाबालिग की रास्ते में मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम चुनापाथर निवासी 16 वर्षीय पूजा पंडो की घर लौटते समय रास्ते में मौत हो गई। पूजा विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो समुदाय से थी और चुनापाथर के मिडिल स्कूल में कक्षा आठवीं की छात्रा थी। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल अंबिकापुर से उपचार के दौरान उसे मौखिक छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। रास्ते में घाट पेंडारी के पास उसकी तबीयत बिगड़ी और करीब रात 2.30 बजे उसने दम तोड़ दिया। उसके साथ वाहन में उसकी बीमार मां सुनीता पंडो भी थी,जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार पूजा की तबीयत अप्रैल से ही खराब थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसका गांव में ही स्थानीय स्तर पर उपचार कराया जा रहा था। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उसकी हालत बिगड़ती गई। इसके बाद 12 सितंबर को परिजन उसे उपचार के लिए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे,जहां उसे भर्ती किया गया था। परिजनों का कहना है कि 16 सितंबर की रात करीब 11 बजे डॉक्टर और स्टाफ ने उसे मौखिक छुट्टी देकर घर ले जाने को कहा। इसके बाद परिजन उसे वाहन से चुनापाथर के लिए रवाना हुए। रास्ते में घाट पेंडारी के पास पूजा की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। उसके साथ वाहन में उसकी बीमार मां सुनीता पंडो भी थी,जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

कार में आए चोर ने सडक़ किनारे बंधी बकरी चुराई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

रघुनाथपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम लमगांव में सडक़ किनारे बंधी बकरी को सफेद रंग की कार में सवार लोग चोरी कर ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर वाहन नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम लमगांव निवासी अनिल लकड़ा करीब 10-11 बकरा-बकरी पालता है। 14 सितंबर को उसने तीन बकरियों को घर के बाहर सडक़ की ओर बांध रखा था, जबकि बाकी बकरियों को घर के अंदर बांधा था। सुबह करीब 11 बजे गांव के सुरेंद्र और पंकज उसके घर पहुंचे और बताया कि एक सफेद रंग की कार में सवार व्यक्ति उसकी बकरी को चोरी कर ले जा रहा है। ग्रामीणों की सूचना पर अनिल तत्काल घर के सामने पहुंचा और बकरियों को देखा। इस दौरान तीन बकरियों में से एक बकरी गायब मिली। पूछताछ करने पर सुरेंद्र और पंकज ने कार नंबर सीजी 12 बीजी 9888 के चालक द्वारा चोरी कर ले जाने की बात कही।

नौकरी के नाम पर ठगी से बचें,पहले जांचें कंपनी...साइबर जागृति अभियान में 260 से ज्यादा युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों को किया जागरूक,फर्जी जॉब ऑफर और फिशिंग लिंक से सावधान रहने की सलाह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

नौकरी की तलाश में युवाओं को निशाना बनाकर होने वाली साइबर ठगी को लेकर सरगुजा पुलिस ने जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। 'साइबर जागृति अभियान' के पांचवें सप्ताह में प्रजापति ब्रह्माकुमारी संस्थान,आईसेक्ट कंप्यूटर सेंटर और लाइवलीहुड कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में 110 से अधिक छात्र-छात्राओं व युवाओं तथा 150 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में 13 से 19 सितंबर तक चल रहे

अभियान के तहत रोजगार तलाश रहे युवाओं, प्रशिक्षणार्थियों और श्रमिकों को विशेष रूप से जागरूक किया जा रहा है।

घर बैठे कमाई के ऑफर से रहें सावधान : पुलिस टीम ने बताया कि सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और मैसेज के जरिए मिलने वाले पार्ट टाइम या 'वर्क फ्रॉम होम' के आकर्षक ऑफर साइबर ठगी का माध्यम हो सकते हैं। नौकरी के नाम पर रजिस्ट्रेशन,वेरिफिकेशन,सिक्योरिटी डिपॉजिट या प्रोसेसिंग फीस मांगे जाने पर सतर्क रहने की सलाह दी गई।

एक क्लिक से खाली हो सकता है खाता : अज्ञात नंबरों से भेजे गए लिंक, संदिग्ध वेबसाइट और अनधिकृत APK ऐप डाउनलोड करने से बचने की सलाह दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना जांच-पड़ताल के किसी लिंक पर क्लिक करना या व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा करना भारी पड़ सकता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे और पुलिस टीम से उनके समाधान की जानकारी ली।

पुलिस और नवा बिहान टीम रही सक्रिय : प्रजापति ब्रह्माकुमारी संस्थान में बीके विद्या दीदी,खिलानंद,पूर्णिमा दीदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता,प्राचार्य नम्रता पाण्डेय,आईसेक्ट कंप्यूटर सेंटर एवं लाइवलीहुड कॉलेज के प्रबंधक व शिक्षकगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। नवा बिहान टीम की ओर से मंगल पांडे, अजय तिवारी, संतोष दास,अनिल मिश्रा एवं हीना खान ने सहभागिता की। सरगुजा पुलिस की ओर से उप निरीक्षक अभय तिवारी,साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा,साइबर एक्सपर्ट आरक्षक अनुज जायसवाल,अमन पुरी, राहुल केरकेट्टा एवं अविनाश पासवान सक्रिय रहे।

ठगी हो तो 1930 पर तुरंत कॉल करें : सरगुजा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अनजान व्यक्ति या संस्था को बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी अथवा अन्य निजी जानकारी साझा न करें। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर संपर्क करें और cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

निबंध प्रतियोगिता में कविता और प्रेरणा प्रथम केंद्रीय जेल के 33 बंदियों ने भी लिया हिस्सा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'स्वतंत्र भारत में युवा आक्रोशः कारण और निदान विषय पर सेवा किटी समूह की ओर से निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता हाईस्कूल और महाविद्यालय स्तर पर आयोजित हुई। इस वर्ष केंद्रीय जेल अंबिकापुर में निरुद्ध बंदियों को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया। हाईस्कूल स्तर के परिणाम अभी घोषित नहीं किए गए हैं। महाविद्यालय स्तर पर हरकेवल दास शिक्षा महाविद्यालय की कविता और प्रेरणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी महाविद्यालय के महेंद्र सिंह द्वितीय रहे। तृतीय स्थान पर राजीव गांधी पीजी कॉलेज के अमनसिंह टेकाम तथा हरकेवल दास शिक्षा महाविद्यालय के कृष्ण कुमार कड़रा रहे। सांत्वना पुरस्कार के लिए राजमोहिनी कन्या महाविद्यालय की रिया पांडे और अंकिता तिवारी, राजीव गांधी पीजी कॉलेज के विकेश गुप्ता तथा हरकेवल दास शिक्षा महाविद्यालय के अमित लकड़ा और आयुष मिंज का चयन किया गया। केंद्रीय जेल में निरुद्ध 33 बंदियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इनमें घनश्याम यादव और बसंत जगते संयुक्त रूप से प्रथम रहे। जगरनाथ प्रसाद सोनी और अरविंद पैंकरा द्वितीय तथा ओम विक्की प्रधान तृतीय रहे। राधेश्याम यादव और दीपक सिंह को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। सेवा किटी की संयोजिका वंदना दत्ता ने बताया कि विजेताओं को पुरस्कार एक आयोजन में प्रदान किए जाएंगे, जिसकी सूचना जल्द दी जाएगी। केंद्रीय जेल के प्रतिभागियों को जेल में ही पुरस्कार दिया जाएगा। हाईस्कूल स्तर के परिणाम भी जल्द घोषित किए जाएंगे।

घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और 15 हजार नकद पार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के विशुनपुर पावर हाउस के पास मकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवरात और 15 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए। घटना 11 सितंबर की दोपहर की है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विनको केरकेट्टा निवासी विशुनपुर पावर हाउस के पास की रहने वाली है। वह रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 11 सितंबर को उसके दीदी के बच्चे स्कूल गए थे, जबकि दीदी शोरूम में काम करने गई थी। दोपहर करीब 1.30 बजे विनको अपने पति अशोक लकड़ा के साथ स्कूटी से जिला अस्पताल गई थी। दोनों शाम करीब 4 बजे वापस घर लौटे तो बाउंड्री के मेन गेट का ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। कमरे में रखी पेटी खुली थी और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पेटी में रखा एक सोने का मंगलसूत्र, दो जोड़ी सोने के टॉप्स, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी चांदी की बिछिया और झोले में रखे 15 हजार रुपए गायब मिले। इसके बाद 15 सितंबर को गांधीनगर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

25 वर्ष सेवा संकल्प अभियान

सेवा से समृद्धि... समृद्धि से विकत्ति भारत...

सेवा संकल्प अभियान का आगाज
जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया शुभारंभ, रक्तदाताओं का बढ़ाया हौसला

रक्तदान महादान
एक बूंद कई जिंदगियाँ

रक्तदान से जीवन की रक्षा | स्वस्थ समाज सशक्त राष्ट्र

"रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम, जरुरतमंद का जीवन बचाने आगे आएं नागरिक"
– लक्ष्मी राजवाड़े
कैबिनेट मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

एक बूंद रक्त कई जिंदगियाँ | सेवा समर्पण मानवता | युवा शक्ति सेवा के लिए सदैव तत्पर

जिला अस्पताल में सेवा संकल्प की शुरुआत...युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान
रक्तदान से सेवा संकल्प का श्रीगणेश,जिला अस्पताल में जुटे युवा और जनप्रतिनिधि

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

सेवा,सहयोग और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान'का सूरजपुर जिले में जनसेवा गतिविधियों के साथ आगाज हुआ,अभियान के तहत जिला चिकित्सालय सूरजपुर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया,जिसमें युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई, शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया,उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह की अवधि में जनसेवा,जनजागरूकता और सामाजिक सरोकार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं, सूरजपुर जिले में भी अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

रक्तदान को बताया मानवता की सेवा का माध्यम

जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा... कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है, किसी व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरत के समय दूसरे व्यक्ति का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है, आपातकालीन परिस्थितियों में कई बार समय पर रक्त की उपलब्धता चुनौती बन जाती है, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी आवश्यक है,उन्होंने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया, मंत्री ने शिविर के दौरान स्वयं भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया और लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया, उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल किसी एक आयोजन तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज में सेवा,सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का अवसर है, समाज के प्रत्येक वर्ग को एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

भाजयुमो के नेतृत्व में युवाओं ने लिया हिस्सा

रक्तदान शिविर में भारतीय जनता युवा मोर्चा सूरजपुर के जिलाध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया,युवाओं के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने भी रक्तदान किया,आयोजकों के अनुसार शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही युवाओं और आम नागरिकों में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा,शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण और रक्त समूह की जांच सहित आवश्यक प्रक्रियाएं स्वास्थ्य विभाग की देखरेख में की गईं,रक्तदान के दौरान चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे और रक्तदाताओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

मंत्री ने कहा...सेवा को जनभागीदारी से जोड़ना जरूरी

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा... कि समाज में सेवा की भावना तभी व्यापक रूप ले सकती है, जब आम नागरिक भी उसमें अपनी भागीदारी निभाएं, उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में नागरिकों से सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की, उन्होंने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत जैसी बुराइयों को दूर करने तथा आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया,उनके अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सामूहिक भागीदारी जरूरी है, मंत्री ने नागरिकों से 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर की शाम अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर अभियान में सहभागी बनने का भी आह्वान किया,सूरजपुर जिले में इस कार्यक्रम को लेकर पहले से जनभागीदारी की अपील की गई थी।

भूलन सिंह मरावी ने भी रक्तदाताओं का बढ़ाया उत्साह-प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया,उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन है,उन्होंने नागरिकों से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सेवा भाव के साथ आगे आने की अपील की,विधायक ने कहा कि सामाजिक संकट और आपात परिस्थितियों में एक-दूसरे की मदद करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है, उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान टीकाकरण सहित संक्रमण से बचाव के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए नागरिकों से जनसेवा के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया।

जनपद अध्यक्ष ने कहा... रक्तदान महादान

जनपद पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष स्वाती सिंह ने रक्तदान को महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा बताते हुए कहा कि जरूरत के समय उपलब्ध कराया गया रक्त किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है,उन्होंने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने तथा सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

एक माह तक होंगे विविध कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के तहत सूरजपुर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न जनसेवा और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे,अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर से जोड़ा गया है,स्थानीय स्तर पर अभियान के तहत रक्तदान,जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने की योजना बताई गई है,अभियान के पहले दिन ही रक्तदान शिविर के साथ 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को भी जोड़ा गया है। सूरजपुर में 17 सितंबर की शाम दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी का संदेश देने की अपील की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने संभाली व्यवस्थाएं

रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से रक्तदाताओं के स्वास्थ्य परीक्षण,रक्त समूह जांच और रक्त संग्रह से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों ने रक्तदाताओं की आवश्यक जांच के बाद रक्तदान की प्रक्रिया पूरी कराई, शिविर में युवाओं के साथ महाविद्यालयीन विद्यार्थी और विभिन्न वर्गों के नागरिक भी मौजूद रहे,आयोजन स्थल पर जनप्रतिनिधियों,भाजपा पदाधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

शिविर में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, भाजपा महामंत्री शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, भाजपा उपाध्यक्ष संत सिंह, प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ रितेश गुप्ता, संदीप अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष स्वाती सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेश गोयल, जनपद सभापति यशवंत सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

देव गुप्ता ने जताया आभार

शिविर के समापन पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं और नागरिकों के साथ-साथ सहयोगी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा उपस्थित वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्यों में युवाओं की भागीदारी समाज में सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती है, इस अवसर पर आयोजित शिविर ने सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान के माध्यम से जनभागीदारी और मानव सेवा का संदेश दिया।

भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में पूजा, हवन में शामिल होने उमड़े लोग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मैरिन ड्राइव तालाब के पास स्थित भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में 17 सितम्बर को सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा पूजन समारोह भक्तिभाव से मनाया गया। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति द्वारा पूजा के लिए भव्य तैयारियां की गई थी। भगवान श्री विश्वकर्मा की जयकार से पूरा मंदिर परिसर गूंज रहा था। श्री विश्वकर्मा सेवा समिति के अध्यक्ष जय सियाराम विश्वकर्मा के नेतृत्व में बुधवार, से ही पूजन कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हो गई थी। इसी क्रम में शुरू अखंड रामायण पाठ का समापन शुक्रवार को दिन में 11 बजे हुआ। इसके बाद श्री विश्वकर्मा चालीसा के पाठ का वाचन किया गया। दोपहर 12 बजे से शुरू श्री विश्वकर्मा पूजा और हवन, आरती में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके बाद प्रसाद वितरण व भंडारा का आयोजन किया गया। संध्या 7 बजे पुनः महाआरती हुई, जिसमें सपरिवार लोग शामिल हुए। मंदिर के बाहर वाहनों की लाइन पूजा करवाने के लिए लगी थी। 18 सितम्बर, को दोपहर 2 बजे से कीर्तन मंडली के साथ भगवान श्री विश्वकर्मा की शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से निकलेगी, इसका समापन शंकरघाट में होगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत किया गया 59 यूनिट रक्त का संग्रहण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को रोगी सुरक्षा, हाथों की स्वच्छता और संक्रमण की रोकथाम को लेकर विभिन्न जनजागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में 59 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी, अस्पताल सलाहकार, डायटीशियन, चिकित्सक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान रोगी सुरक्षा और संक्रमण नियंत्रण में हाथों की स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी गई।

आशीर्वाद का दीया' से जगमगाया सरगुजा,सेवा और समर्पण का लिया गया संकल्प

सेवा का अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना, अवसर और विकास पहुंचाना : पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुवार शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' पहल के अंतर्गत प्रदेशभर में सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन किया गया। घरों के साथ-साथ अमृत सरोवरों, शासकीय कार्यालयों, धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों तथा चैक-चैराहों सहित अन्य स्थलों में पांच लाख दीप प्रज्ज्वलित किए गए। इस दौरान सेवा, समर्पण, आभार, सकारात्मकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। इसी कड़ी में जिला स्तरीय कार्यक्रम गांधी स्टेडियम में आयोजित हुआ। यहां मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित कर इस अभियान में सहभागिता ली। उन्होंने कहा कि दीप भारतीय संस्कृति में प्रकाश, आशा, सद्भाव और सकारात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरगुजा की जनता की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 17 अक्टूबर तक एक माह चलेगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति शासकीय योजना के लाभ से वंचित है, तो शासन और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सेवा का अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना, अवसर और विकास पहुंचाना है। हमारा संकल्प है कि शासन की हर योजना पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, शिक्षा का प्रकाश हर घर तक पहुंचे,प्रतिभाओं को मंच मिले।अग्रवाल ने कहा कि इन 25 वर्षों में सरगुजा ने शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि,महिला सशक्तिकरण,जनजाति विकास,ग्रामीण विकास,सड़क एवं अधोसंरचना,रोजगार एवं कौशल विकास, स्वच्छता,जल संरक्षण और सामाजिक जागरूकता सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन की यात्रा तय की है। विकास की असली पहचान जनता की मुस्कान,बच्चों की शिक्षा,किसान की प्रगति,महिलाओं के आत्मविश्वास और युवाओं के रोजगार से होती है।

मंत्री अग्रवाल ने आह्वान किया कि 'सेवा संकल्प अभियान' को जन-जन का अभियान बनाएं। आशीर्वाद का दीया जलाएं, सेवा के संकल्प को दोहराएं और सरगुजा की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने सभी को सेवा संकल्प अभियान की शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि आज अलग-अलग स्थानों पर एक साथ प्रज्ज्वलित हुए,दीप जनभागीदारी और सामूहिक संकल्प की भावना के प्रतीक हैं। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि आज हम सभी को बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि लाखों दीयों से पूरा सरगुजा जगमगाने लगा है। यह दीया एकमात्र दीया नहीं, बल्कि एक लंबी यात्रा और लंबे संकल्प का प्रतीक है। दिए की इन लाखों लौ से आज पूरा हिंदुस्तान एक नया इतिहास रचने जा रहा है। हमारा देश दुनिया में एक अलग पहचान कायम कर रहा है। हमारा स्थान पूरी दुनिया में और अधिक शक्तिशाली बने,ये हमारी कामना है।

चौक-चौराहों पर जगमगाया जनभागीदारी का प्रकाश-नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख चौक-चौराहों पर भी 'आशीर्वाद का दीया' के तहत दीप प्रज्ज्वलित किए गए। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने इसमें सहभागिता की। प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर जलाए गए दीपों से पूरे वातावरण में उत्सव और सकारात्मकता का माहौल दिखाई दिया।

'घर-घर जला 'आशीर्वाद का दीया'-अभियान के तहत लोगों ने अपने घरों में भी दीप प्रज्ज्वलित किए। परिवारों ने दीप जलाने के साथ जरूरतमंद की सहायता, बुजुर्गों के सम्मान, बच्चों के प्रति संवेदनशीलता सहित पौधरोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता को अपने सेवा संकल्प का हिस्सा बनाया।

बदहाल व्यवस्था के खिलाफ 'आप' ने खोला मोर्चा...एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

-संवाददाता-
कुसमी/बलरामपुर,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में किसानों,विद्यार्थियों और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी की कुसमी इकाई ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मुख्यमंत्री के नाम 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। पार्टी पदाधिकारियों ने यह ज्ञापन एसडीएम कुसमी के माध्यम से सौंपते हुए विभिन्न जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की। आप के जिला महासचिव (संगठन) शकील अंसारी सहित पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों को कृषि पंजीयन और खाद की उपलब्धता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, अस्पतालों में डॉक्टरों व दवाइयों का अभाव, जर्जर सड़कें तथा बढ़ते बिजली बिल आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। ज्ञापन में एग्रीस्टैक पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाने और रकबा समर्पण के नाम पर किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी रोकने, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टर, आवश्यक दवाइयां और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। पार्टी ने गौठान योजना में कथित भ्रष्टाचार की जांच कराने तथा आवारा मवेशियों के उचित रखरखाव की व्यवस्था करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा प्रदेश की जर्जर और गड्ढायुक्त सड़कों की तत्काल मरम्मत व पुनर्निर्माण, बिजली की बढ़ी दरों और अधिक बिलों से उपभोक्ताओं को राहत देने तथा अवैध नशे के कारोबार एवं मिलावटी शराब पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की गई। आप पदाधिकारियों ने कहा कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दे सीधे आम जनता के जीवन से जुड़े हैं। शासन-प्रशासन को इन पर त्वरित और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने फीता काटकर किया उद्घाटन...बुजुर्गों को गीता,रामायण,हनुमान चालीसा,शॉल और श्रीफल भेंट कर लिया आशीर्वाद

25 सीटर आश्रम को 'सेवा संकल्प अभियान 2026' से जोड़ा गया,कलेक्टर ने बेहतर सुविधाओं के साथ नियमित भ्रमण और रचनात्मक गतिविधियों पर दिया जोर

-संवाददाता-
एमसीबी 17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिले में बुजुर्गों के लिए सुरक्षित,सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत हुई। नगर पंचायत झगराखांड के वार्ड क्रमांक 1,गेला झरिया दफाई, नॉर्थ जे.के.डी. में समाज कल्याण विभाग से अनुदानित संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित उदय शांति वृद्धा आश्रम का गुरुवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के तहत आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों के सम्मान और उनके बेहतर जीवन के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने रखा गया,जिले में 17 सितंबर से शुरू हुए सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न जनसेवा और सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, कार्यक्रम में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े,प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण अंजना रोस बेक,नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष रीमा यादव,पार्षद, जनप्रतिनिधि, संस्था के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा—बुजुर्गों की जरूरतों का रखा जाए पूरा ध्यान-

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने आश्रम के शुभारंभ को जिले के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया, उन्होंने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए, कलेक्टर ने कहा कि आश्रम में किसी भी तरह की समस्या सामने आने पर जिला प्रशासन को तत्काल जानकारी दी जाए, उन्होंने बुजुर्गों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें समय-समय पर गार्डन, पर्यटन स्थल और बाजार भ्रमण कराने के निर्देश दिए, उन्होंने बुजुर्गों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया, सिलाई, खेलकूद, पढ़ना-लिखना और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग को नियमित गतिविधियां आयोजित करने के साथ योगाभ्यास पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

गार्डनिंग, पढ़ाई और सिलाई जैसी गतिविधियों पर जोर-

नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा ने आश्रम के शुभारंभ पर बुजुर्गों को बधाई दी, उन्होंने कहा कि आश्रम में बुजुर्गों को केवल रहने की सुविधा उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें सक्रिय और सहज वातावरण देने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी संचालित की जानी चाहिए, उन्होंने गार्डनिंग, पढ़ाई और सिलाई जैसी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने की बात कही, उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए सामाजिक संस्थाओं और समाज के अन्य वर्गों से भी ऐसे कार्यों में सहयोग करने की अपील की।

25 बुजुर्गों के लिए तैयार किया गया आश्रम- उदय शांति वृद्धा आश्रम 25 सीटर है, यहां बुजुर्गों को रहने के लिए सुरक्षित स्थान के साथ सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, आश्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण अंजना रोस बेक ने अतिथियों और जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया, उन्होंने कहा कि जिले में वृद्धा आश्रम की शुरुआत बुजुर्गों के लिए संवेदनशील और मानवीय पहल है, उन्होंने बताया कि 25 सीटर आश्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा से जुड़े 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत समर्पित किया गया है,उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के विभिन्न वृद्धा आश्रमों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे, इसके पीछे बुजुर्गों के आशीर्वाद और अनुभवों को समाज की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ने की भावना बताई गई।

मंत्री बोले-बुजुर्ग समाज की धरोहर- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में बुजुर्गों को समाज की धरोहर बताते हुए उनकी सेवा और देखभाल को सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारी बताया, उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, उन्होंने समाज कल्याण विभाग और ग्राम विकास समिति द्वारा वृद्धजनों के लिए आश्रम शुरू करने की पहल की सराहना की, मंत्री ने कहा कि बुजुर्गों के हाथों जहां भी 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा, वहां उनके आशीर्वाद से देश के उज्ज्वल भविष्य और वर्ष 2047 के संकल्प को नई ऊर्जा मिलने की भावना है, उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी है, उन्होंने कहा कि कई बार परिस्थितियों के कारण परिवार अपने बुजुर्ग माता-पिता की उस तरह देखभाल नहीं कर पाते,जैसी वे करना चाहते हैं, ऐसे में वृद्धा आश्रम बुजुर्गों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने का माध्यम बन सकते हैं।

जिले ही नहीं,दूसरे राज्यों के बुजुर्ग भी रह सकेंगे- मंत्री ने कहा कि 25 सीटर आश्रम में जिले और प्रदेश के साथ अन्य राज्यों से आने वाले बुजुर्ग भी रह सकते हैं, यहां उन्हें एक नए परिवार जैसा वातावरण देने का प्रयास किया जाना चाहिए, उन्होंने आश्रम की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्माण और सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर पंचायत अध्यक्ष और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी नियमित रूप से आश्रम का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेने की अपील की, मंत्री ने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए हर सप्ताह किसी न किसी स्थान पर भ्रमण की व्यवस्था करने तथा पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं पेयजल उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

गीता,रामायण और हनुमान चालीसा भेंट कर किया सम्मान- कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण उस समय आया जब स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आश्रम में रहने आए बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीयता से मुलाकात की, उन्होंने उनके हालचाल पूछे और उनकी जरूरतों के संबंध में जानकारी ली, इस दौरान मंत्री ने बुजुर्गों को श्रीमद्भगवद्गीता,रामायण, हनुमान चालीसा तथा शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया,उन्होंने बुजुर्गों का आशीर्वाद भी लिया, कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बीच इस दौरान आत्मीय वातावरण देखने को मिला, आश्रम के माध्यम से बुजुर्गों को केवल आवास उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सामाजिक जुड़ाव, सम्मान और अपनत्व का वातावरण देने पर जोर दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान में सामाजिक सरोकार को जोड़ने की पहल

एमसीबी में 17 सितंबर से शुरू 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के तहत सामाजिक सरोकार और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं,अभियान के तहत 'आशीर्वाद का दीया' सहित विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों को जोड़ने की योजना सामने आई है, उदय शांति वृद्धा आश्रम का शुभारंभ इसी क्रम में बुजुर्गों के सम्मान और देखभाल से जुड़ी पहल के रूप में किया गया, कार्यक्रम के अंत में ग्राम विकास समिति और समाज कल्याण विभाग ने अतिथियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बातों में उजाला,जमीन पर अंधेरा! 'आशीर्वाद का दीया' अभियान पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सरकार पर हमला

बोले-दीपक की रोशनी में साय सरकार की नाकामी दिखाई देगी,पहले शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार,बिजली और ग्रामीण समस्याओं का अंधेरा दूर करे सरकार

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़/एमसीबी,17 सितम्बर 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 17 सितंबर की शाम 7 बजे प्रदेशवासियों से घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है,मुख्यमंत्री ने इसे सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण के संकल्प से जोड़ते हुए अभियान में प्रदेशवासियों की सहभागिता का आह्वान किया है। इसी कार्यक्रम को लेकर मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है– 'बातों में उजाला, जमीन पर अंधेरा।' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दीपक जलाने के अभियान का प्रचार कर रही है,लेकिन जनता की बुनियादी समस्याओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

दीपक की रोशनी में सरकार की नाकामी दिखाई देगी- पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं और रोजगार को लेकर लोगों के सामने अनेक सवाल हैं,उनके मुताबिक युवा बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं और आम नागरिक महंगाई से प्रभावित हैं, उन्होंने कहा कि 'दीपक की रोशनी में साय सरकार की नाकामी ही दिखाई देगी।' कमरो ने मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि प्रतीकात्मक रूप से दीपक जलाने के साथ-साथ सरकार को उन समस्याओं पर भी ध्यान देना चाहिए, जिनका सामना प्रदेश की जनता रोजाना कर रही है,उन्होंने बिजली व्यवस्था को लेकर स्मार्ट मीटर का मुद्दा भी उठाया और कहा कि बिजली उपभोक्ताओं के बीच इसे लेकर सवाल और शिकायतें हैं,इसके अलावा उन्होंने हसदेव, तमनार,बस्तर और तारा क्षेत्र के जंगलों से जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों को भी उठाया।

जल-जंगल-जमीन और जनता के जीवन का अंधेरा दूर करें- कमरो ने कहा कि सरकार को प्रचारात्मक आयोजनों से आगे बढ़कर जनता से जुड़े बुनियादी सवालों का समाधान करना चाहिए,उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि प्रचार के दीये जलाने से पहले छत्तीसगढ़ के जल,जंगल, जमीन और आम जनता के जीवन में छाया अंधेरा दूर कीजिए,उनका कहना है कि गांवों में रोजगार,सड़क,बिजली,पानी,स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी जरूरतें सीधे लोगों के जीवन से जुड़ी हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में ठोस काम दिखाई देना चाहिए।

विश्व आदिवासी दिवस को लेकर भी उठाया सवाल- पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने विश्व आदिवासी दिवस को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाया,उन्होंने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रदेश में शासकीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किए गए और न ही अपेक्षित रूप से बधाई दी गई, यह टिप्पणी पूर्व विधायक की राजनीतिक आलोचना का हिस्सा है, उन्होंने इसे आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों और सरकार की प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए सवाल खड़ा किया।

Gen-Z प्रदर्शनों का हवाला देकर सरकार से सवाल- कमरो ने हालिया Gen-Z के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए सरकार से सवाल किया कि क्या युवाओं के मुद्दों और प्रदर्शनों के कारण सरकार दबाव में है तथा क्या ऐसे अभियान वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने का माध्यम बन रहे हैं,उन्होंने कहा कि युवा अपने मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहे हैं और जनता भी सरकार से सवाल कर रही है। ऐसे में सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, हालांकि,यह पूर्व विधायक का राजनीतिक आरोप और सवाल है,उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी से यह स्थापित नहीं होता कि 'सेवा संकल्प अभियान' जेन-जी प्रदर्शनों से उत्पन्न किसी दबाव के कारण शुरू किया गया है। अभियान के घोषित उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा,जनभागीदारी और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना बताए गए हैं।

शासकीय कर्मचारियों को अभियान में लगाने पर सवाल-

पूर्व विधायक ने 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए पंचायत एवं अन्य विभागों के शासकीय कर्मचारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाया, उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेशभर में दीपक जलाने के कार्यक्रम को लेकर सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल किया जा रहा है, कमरो ने कहा कि यदि शासकीय कर्मचारी ऐसे आयोजनों में लगाए जा रहे हैं तो उन्हें उनके मूल विभागीय कार्यों और जनता से जुड़े जरूरी कामों के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए, उन्होंने पंचायतों में रोजगार और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा विकास कार्यों को गति देने की जरूरत है।

पंचायतों में रोजगार नहीं, सरकार अभियान में व्यस्त-

कमरो ने पंचायत स्तर पर रोजगार के सवाल को भी प्रमुखता से उठाया, उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार और स्थानीय विकास के अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है, उन्होंने सवाल उठाया कि जब गांवों में रोजगार, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े सवाल मौजूद हैं, तब सरकार का ध्यान इन समस्याओं के समाधान के बजाय दीपक जलाने के आयोजन पर क्यों है? हालांकि, सेवा संकल्प अभियान के सरकारी पक्ष के अनुसार यह अभियान केवल दीप प्रज्वलन तक सीमित नहीं है, उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी में अभियान को 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा, जनभागीदारी और विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम अभियान की शुरुआत के रूप में रखा गया है।

पूंजीपतियों की दलाली और जनविरोधी नीतियां बर्दाश्त नहीं

गुलाब कमरो ने सरकार की नीतियों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पूंजीपतियों की दलाली और जनविरोधी नीतियां अब बर्दाश्त नहीं होंगी,उन्होंने सरकार से जल-जंगल-जमीन, शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार,बिजली और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े विषयों पर ठोस कदम उठाने की मांग की,उन्होंने कहा कि केवल प्रतीकात्मक दीपक जलाने से वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होगा,उनके अनुसार जनता के जीवन में वास्तविक उजाला तब आएगा,जब बेरोजगार युवाओं को रोजगार,ग्रामीणों को काम,बच्चों को बेहतर शिक्षा,मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं और आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

सेवा का संकल्प है तो पहले समस्याओं के समाधान का संकल्प लें

पूर्व विधायक ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में सेवा का संकल्प लेना चाहती है तो उसे जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देनी चाहिए, उन्होंने कहा कि प्रचार के दीये जलाने से ज्यादा जरूरी है कि प्रदेश की जनता के जीवन में छाया अंधेरा दूर किया जाए, वहीं, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से 'आशीर्वाद का दीया' को प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए शुभकामना के साथ सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के सामूहिक संकल्प का प्रतीक बताया गया है, इस तरह 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम जहां सरकार और भाजपा की ओर से सेवा एवं जनभागीदारी के अभियान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है,वहीं पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इसी कार्यक्रम के बहाने सरकार की प्राथमिकताओं और जमीन पर मौजूद बुनियादी समस्याओं को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

चंदहा-बंशीपुर में दो साल से विद्युतीकरण कार्य ठप्प

ग्रामीणों की मांग के बावजूद नहीं पहुंची बिजली

खंभे खड़े, तार भी बिछे...फिर भी घरों में नहीं जली बिजली...दीये जलाने की तैयारी,गांवों में अब भी बिजली का इंतजार

दो साल से अधूरा विद्युतीकरण, चंदहा-बंशीपुर के ग्रामीण परेशान

'आशीर्वाद का दीया' के बीच गांवों का अंधेरा सवाल बनकर खड़ा

खंभे और तार मौजूद,ट्रांसफार्मर-कनेक्शन का इंतजार

गांव अंधेरे में,दीयों की रोशनी पर सवाल–अधूरे विद्युतीकरण ने बढ़ाई नाराजगी

17 सितंबर को जिले में 1.21 लाख से अधिक दीये जलाने की तैयारी, सोनहत के कई गांवों में डेढ़-दो साल से अधूरे पड़े विद्युतीकरण कार्य, छाता टॉगर में तीन साल से बिजली का इंतजार

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/सोनहत,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में 17 सितंबर से शुरू हो रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं, जिलेभर में 1 लाख 21 हजार 300 से अधिक दीये जलाए जाने की तैयारी है, जबकि झुमका ओपन थिएटर में जिला स्तरीय आयोजन के दौरान 10 हजार दीये जलाने की योजना बताई गई है, जिला प्रशासन ने भी जिले के नागरिकों से कार्यक्रम में भागीदारी की अपील की है। लेकिन इसी रोशनी के बीच कोरिया के दूरस्थ ग्रामीण इलाकों से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा को लेकर सवाल सामने आ रहे हैं,सोनहत विकासखंड के कई गांवों में ग्रामीणों के अनुसार विद्युतीकरण के काम वर्षों से अधूरे पड़े हैं, कहीं खंभे और तार तो पहुंच गए, लेकिन ट्रांसफार्मर और कनेक्शन का इंतजार है तो कहीं वैकल्पिक रूप से लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्र भी काम नहीं कर रहे हैं,ऐसे में सवाल यह है कि जब कई घरों में स्थायी बिजली का उजाला अब भी नहीं पहुंच पाया है, तब सरकारी और सार्वजनिक आयोजनों की रोशनी के साथ उन गांवों की समस्या कब दूर होगी?

चंदहा से तंजरा तक अधूरे विद्युतीकरण का सवाल-

सोनहत विकासखंड के चंदहा, बंशीपुर, कचौहर, नवाटोला और तंजरा ठाकुरहथी जैसे दूरस्थ इलाकों में विद्युतीकरण कार्य अधूरा होने का मुद्दा सामने आया है, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन क्षेत्रों में पूर्व में स्वीकृत कार्यों के तहत खंभे और तार लगाए गए, लेकिन आगे का काम लंबे समय से आगे नहीं बढ़ सका, ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर डेढ़ से दो साल से काम ठप है, ट्रांसफार्मर नहीं लगने और विद्युत कनेक्शन नहीं मिलने के कारण अधोसंरचना तैयार होने के बावजूद बिजली की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है, यह स्थिति खासतौर पर उन दूरस्थ बस्तियों के लिए परेशानी का कारण है, जहां पहले से ही सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और संचार जैसी सुविधाओं की पहुंच सीमित है।

सौर ऊर्जा भी बनी स्थायी समाधान नहीं-

विद्युत लाइन नहीं पहुंचने वाले कुछ इलाकों में शासन-प्रशासन की ओर से सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए थे, ग्रामीणों के मुताबिक शुरुआती दौर में इनसे कुछ राहत मिली, लेकिन वर्तमान में कई संयंत्र काम नहीं कर रहे हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में पर्याप्त धूप नहीं मिलने, बैटरी की खराबी और रखरखाव के अभाव में सौर ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित हुई है, परिणाम यह है कि कई घरों में रोशनी की जरूरत पूरी करना भी मुश्किल हो गया है, ग्रामीणों के सामने समस्या सिर्फ घरेलू रोशनी तक सीमित नहीं है। बिजली के अभाव में पंखे, पानी के पंप और अन्य आवश्यक उपकरण भी नहीं चल पाते, बच्चों की पढ़ाई पर भी इसका सीधा असर पड़ता है।

छाता टॉगर में तीन साल से बिजली का इंतजार–सोनहत विकासखंड के कैलाशपुर ग्राम पंचायत के छाता टॉगर मोहल्ले की स्थिति इस समस्या को और गंभीर रूप से सामने रखती है,स्थानीय जानकारी के अनुसार करीब तीन वर्ष पहले शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली के खंभों के तार जल गए थे,इसके बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि विद्युत विभाग जल्द मरम्मत कर आपूर्ति बहाल कर देगा,लेकिन लंबे समय बाद भी समस्या बनी हुई है, ग्रामीणों का कहना है कि तीन साल बीत जाने के बाद भी मोहल्ले में नियमित बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है,यानी डिजिटल युग और 5 प्रतिशत जैसी तकनीक की चर्चा के बीच इस बस्ती के लोग अब भी मूलभूत विद्युत सुविधा के लिए इंतजार कर रहे हैं।

बिजली नहीं,फिर भी बिल आने का आरोप–छाता टॉगर के ग्रामीणों ने एक और गंभीर सवाल उठाया है, उनका आरोप है कि मोहल्ले में बिजली की खपत नहीं होने के बावजूद कई महीनों तक बिजली के बिल आते रहे, यदि यह आरोप सही है तो मामला केवल बिजली आपूर्ति बाधित होने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विद्युत बिलिंग व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है, हालांकि इस संबंध में विद्युत विभाग की ओर से आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है, इसलिए बिल आने से संबंधित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और विभागीय रिकॉर्ड से जांच आवश्यक होगी।

सड़क और पानी की समस्या भी बरकरार- छाता टॉगर की समस्या सिर्फ बिजली तक सीमित नहीं है,ग्रामीणों के मुताबिक मोहल्ले में पक्की सड़क और साफ पेयजल की सुविधा भी पर्याप्त नहीं है,बारिश के दिनों में कीचड़ भरे रास्तों और खेतों की मेढ़ों से होकर लोगों को आवागमन करना पड़ता है, रात के समय बिजली नहीं होने से स्थिति और कठिन हो जाती है,ग्रामीणों के अनुसार जंगल से लगे इलाके होने के कारण अंधेरे में जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है,इसका असर बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों की सुरक्षा दोनों पर पड़ रहा है।

कोरिया जन सहयोग समिति ने उठाए सवाल–मामले को लेकर कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने शासन-प्रशासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं, उनका कहना है कि यदि जिस तरह 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के लिए तैयारियां की जा रही हैं,उसी तरह विद्युतविहीन और अधूरे विद्युतीकरण वाले गांवों की समस्याओं को दूर करने पर भी ध्यान दिया जाए तो ग्रामीणों को वास्तविक राहत मिलेगी, राजवाड़े के अनुसार दीया जलाना गलत नहीं है,लेकिन इसके साथ ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं का समाधान भी जरूरी है,उनका कहना है कि सत्ता पक्ष और प्रशासन को उन गांवों की वास्तविक परेशानियों को प्राथमिकता देते हुए बिजली जैसी बुनियादी सुविधा सुनिश्चित करनी चाहिए।

झुमका की रोशनी बनाम गांवों का अंधेरा- 'आशीर्वाद का दीया' के तहत झुमका ओपन थिएटर को 10 हजार दीयों से सजाने और जिलेभर में 1.21 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित करने की तैयारियां की गई हैं, प्रशासनिक अपील में इसे सेवा,समर्पण और जनभागीदारी से जोड़कर देखा जा रहा है, दूसरी तरफ सोनहत के दूरस्थ गांवों में बिजली की समस्या का बने रहना आयोजन और बुनियादी जरूरतों के बीच का अंतर सामने लाता है,एक तरफ कुछ घंटों के लिए हजारों दीयों से सार्वजनिक स्थल रोशन होंगे,दूसरी तरफ कुछ गांवों में परिवार वर्षों से स्थायी बिजली के उजाले का इंतजार कर रहे हैं,यही विरोधाभास अब ग्रामीण क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन रहा है।

सवाल सिर्फ दीये का नहीं, स्थायी उजाले का है...

ग्रामीणों के सामने मूल सवाल यह नहीं है कि दीया क्यों जलाया जा रहा है। सवाल यह है कि जिन घरों में बिजली के खंभे और तार होने के बावजूद आपूर्ति शुरू नहीं हुई,वहां स्थायी रोशनी कब पहुंचेगी? चंदहा,बंशीपुर,कचौहर, नवाटोला और तंजरा ठाकुरहथी जैसे गांवों में अधूरे विद्युतीकरण के काम पूरे कराने,खराब सौर संयंत्रों को फिर से चालू करने और कैलाशपुर के छाता टॉगर में बिजली व्यवस्था बहाल करने की जरूरत है, 'सेवा संकल्प' की वास्तविक कसौटी भी इन्हीं बुनियादी समस्याओं के समाधान से तय होगी–क्या अभियान की रोशनी कार्यक्रम स्थलों से निकलकर उन घरों तक भी पहुंचेगी, जो लंबे समय से अंधेरे में हैं? अब सवाल दीये की लौ का नहीं, उस स्थायी उजाले का है जिसका इंतजार ग्रामीण वर्षों से कर रहे हैं।

निजी विद्यालयों की समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से मिले एसोसिएशन के प्रतिनिधि

-संवाददाता-
सूरजपुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, सूरजपुर के प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा से सौजन्य मुलाकात कर जिले के निजी विद्यालयों की वर्तमान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक स्थिति से अवगत कराया। मुलाकात के दौरान निजी विद्यालयों के सुचारु संचालन, शैक्षणिक व्यवस्था तथा विद्यालयों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने निजी विद्यालयों के समक्ष आ रही व्यावहारिक समस्याओं एवं चुनौतियों को जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखा और आवश्यक सहयोग व मार्गदर्शन का अनुरोध किया। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा विद्यालयों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन का आश्वासन दिया। एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने जिला शिक्षा अधिकारी के सकारात्मक एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यालयों के सुचारु संचालन के लिए शिक्षा विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ये रहे उपस्थित : सौजन्य मुलाकात के दौरान के. पी. शर्मा, ललन सिंह, ब्रजेंद्र सिंह, कमल कुमार मंडल, पुनीत गुप्ता, किरण अरोड़ा, पूर्णिमा रजवाड़े, रिंकू उपाध्याय सहित प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, सूरजपुर के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

धारदार हथियार लहराकर मोहल्ले में घूम रहा युवक गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के बाबूपारा मोहल्ले में हाथ में धारदार हथियार लेकर लहराते हुए घूम रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक रास्ते से गुजरने वाले लोगों को हथियार दिखाकर भयभीत कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से धारदार हथियार जब्त कर संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार 16 सितंबर को मणिपुर पुलिस शहर में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बाबूपारा मोहल्ले में एक युवक हाथ में धारदार हथियार लेकर घूम रहा है और आने-जाने वाले लोगों को भयभीत कर रहा है।

ग्राउंड जीरो पर भाजपा जिलाध्यक्ष,बूथों तक संगठन की पड़ताल

संगठन नीचे तक उतरा या नहीं,बूथ पर काम हो रहा है या नहीं–जमीनी हकीकत जानने निकला जिला नेतृत्व

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,17 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है, इसी क्रम में 15 सितंबर 2026 को भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में बूथ प्रवास कार्यक्रम निर्धारित किया गया, कार्यक्रम का फोकस केवल बूथों तक पहुंचने तक सीमित नहीं,बल्कि स्थानीय कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर संगठन की जमीनी स्थिति, सक्रियता और सामने आ रही समस्याओं की जानकारी लेने पर रखा गया है, भाजपा के घोषित संगठनात्मक अभियान में बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं और आम लोगों से संवाद पर जोर दिया जा रहा है, राज्य स्तर पर भी 'सेवा संकल्प अभियान' के संदर्भ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाजपा कार्यकर्ताओं के बूथ स्तर तक पहुंचकर लोगों से संवाद करने की बात कही है।

सुबह 7:30 बजे से रात 9 बजे तक प्रवास

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भाजपा जिलाध्यक्ष का बूथ प्रवास सुबह 7:30 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा, इस दौरान महोरा-01 से प्रवास की शुरुआत करते हुए महोरा-02, डकई पारा, मानपुर,कोटकताल, हंतधवर,जमगहना,चंपा झर,बरदिया,पीपरडांड,नांगरा-भट्ठा,करदैयाखुर्द,पुंटा और अंगा सहित विभिन्न बूथों तक पहुंचने का कार्यक्रम है,लगातार लगभग पूरे दिन चलने वाले इस प्रवास में अलग-अलग बूथों पर स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बातचीत प्रस्तावित है, इस लिहाज से कार्यक्रम को जिला संगठन और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच सीधे संवाद के अवसर के तौर पर देखा जा रहा है।

सवाल सिर्फ बूथ तक पहुंचने का नहीं,सक्रियता जांचने का...

चुनावी संगठन में बूथ स्तर को महत्वपूर्ण इकाई माना जाता है,जिला नेतृत्व के इस प्रवास में यह समझने का अवसर रहेगा कि बूथ समितियां कितनी सक्रिय हैं, स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय कैसा है और पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों को बूथ तक किस तरह पहुंचाया जा रहा है,स्थानीय कार्यकर्ताओं से क्षेत्र की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों,लोगों से संपर्क और संगठन के कामकाज को लेकर फीडबैक

लिया जा सकता है,इसके साथ ही बूथ स्तर पर सामने आने वाली व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी भी नेतृत्व तक पहुंचने की संभावना है।

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद,कमियों की पहचान पर जोर- कार्यक्रम में अलग-अलग बूथों के अध्यक्षों की जिम्मेदारी भी निर्धारित की गई है,ऐसे में जिला नेतृत्व के सामने बूथ अध्यक्षों और स्थानीय कार्यकर्ताओं से सीधे बातचीत का अवसर रहेगा, संगठन के लिए यह संवाद इसलिए महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि जिला या मंडल स्तर की बैठकों में प्रस्तुत रिपोर्ट और बूथ स्तर की वास्तविक स्थिति में अंतर होने की स्थिति में प्रत्यक्ष प्रवास के माध्यम से स्थानीय फीडबैक सामने आ सकता है,यदि किसी बूथ पर संगठनात्मक गतिविधियां अपेक्षित रूप से सक्रिय नहीं हैं,तो वहां अतिरिक्त कार्यकर्ताओं को जोड़ने या गतिविधियों को बढ़ाने की रणनीति बनाई जा सकती है।

'मेरा बूथ-मेरा गौरव' का संदेश- बूथ प्रवास के दौरान पार्टी की ओर से 'मेरा बूथ, मेरा गौरव', 'सशक्त बूथ, सशक्त भाजपा, सशक्त भारत' और 'हर बूथ पर संवाद, हर कार्यकर्ता के साथ' जैसे संदेशों पर जोर दिया गया है, इन नारों के जरिए पार्टी संगठन की प्राथमिकता बूथ स्तर तक सक्रियता और कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क के रूप में सामने रख रही है। भाजपा के संगठनात्मक साहित्य में भी बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं से संवाद और संगठन की उपस्थिति मजबूत करने पर लंबे समय से जोर दिया जाता रहा है।

ग्राउंड रिपोर्ट के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा प्रवास–जिला अध्यक्ष का सीधे बूथों तक पहुंचना संगठन के लिए स्थानीय स्तर का फीडबैक जुटाने का अवसर है,बड़े नेताओं की बैठकों में संगठन की स्थिति की समीक्षा एक स्तर पर होती है,जबकि बूथ पर जाकर कार्यकर्ताओं से बातचीत करने पर स्थानीय समस्याओं, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की अलग तस्वीर सामने आ सकती है, इस दौरान यह भी देखा जा सकता है कि बूथ अध्यक्ष और अन्य जिम्मेदार पदाधिकारी अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों को किस तरह निभा रहे हैं और आम लोगों के साथ उनका संपर्क कितना है।

सुबह महोरा से शुरुआत, रात अंगा में समापन- निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बूथ प्रवास की शुरुआत सुबह 7:30 बजे महोरा-01 से होगी, इसके बाद महोरा-02,डकई पारा,मानपुर,कोटकताल, हंतधवर,जमगहना,चंपा झर,बरदिया,पीपरडांड,नांगरा-भट्ठा,करदैयाखुर्द और पुंटा होते हुए रात 9 बजे अंगा बूथ में कार्यक्रम का समापन निर्धारित है, एक ही दिन में इतने बूथों तक पहुंचने के कार्यक्रम का उद्देश्य जिला नेतृत्व और बूथ कार्यकर्ताओं के बीच संपर्क को मजबूत करना तथा संगठन की गतिविधियों का स्थानीय स्तर पर फीडबैक लेना बताया जा रहा है।

अब फीडबैक पर रहेगी नजर- इस बूथ प्रवास के बाद सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि जिला संगठन को जमीनी स्तर से क्या फीडबैक मिलता है, किन बूथों पर संगठन सक्रिय है, कहां कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त सहयोग की जरूरत है और किन क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को और मजबूत करने की आवश्यकता महसूस होती है–इन पहलुओं पर आगे की रणनीति निर्भर कर सकती है,इस लिहाज से 15 सितंबर का यह बूथ प्रवास सिर्फ दौरा नहीं,बल्कि संगठन की जमीनी सक्रियता को समझने की प्रक्रिया के रूप में देखा जा रहा है,अंतिम तस्वीर जिला नेतृत्व को बूथों से मिलने वाले फीडबैक और उसके बाद किए जाने वाले संगठनात्मक कदमों से ही स्पष्ट होगी।

चिरंजीवी की काका सक्रांति पर होगी रिलीज, मेकर्स ने देरी की अफवाहों पर लगाया विराम

चिरंजीवी की फिल्म काका के डायरेक्टर बॉबी ने रिलीज की देरी की अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने बताया कि यह 13 जनवरी 2026 को रिलीज होने वाली है।

चिरंजीवी की फिल्म काका के 2027 में संक्रांति पर रिलीज होने की प्लानिंग चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख आधिकारिक तौर पर 13 जनवरी तय की गई है। मेकर्स ने फिल्म के टलने की अटकलों पर विराम लगा दिया है, जबकि ऐसी खबरें थीं कि चिरंजीवी की लंबे समय से अटकी फिल्म विश्वंभरा को भी संक्रांति पर रिलीज करने पर विचार किया जा रहा था। काका की टीम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए रिलीज की देरी की अफवाहों पर विराम लगाया है और बताया कि यह फिल्म अपने तय समय पर ही दस्तक देगी।

चिरंजीवी की काका रिलीज डेट पर अपडेट

काका के मेकर्स ने पोस्ट करते हुए लिखा, सभी अटकलों को खत्म करते हुए, काका संक्रांति 2027 पर रिलीज हो रही है। मेगास्टार चिरंजीवी गारू और बॉबी के साथ हमारी बहुप्रतीक्षित फिल्म 13 जनवरी, 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी। पहला गाना जल्द ही आएगा। डायरेक्टर बॉबी ने भी अटकलों पर बात करते हुए लिखा, कोई शक नहीं, कोई देरी नहीं। हम इस संक्रांति को अपना बनाने आ रहे हैं - 13 जनवरी, 2027।

विश्वंभरा से होगी काका की टक्कर

यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब अफवाहें सामने आई कि विश्वंभरा, जिसमें पहले ही देरी हो चुकी है। वो भी अगले साल संक्रांति पर रिलीज हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो चिरंजीवी की ये दोनों फिल्में एक ही त्योहार के समय रिलीज के लिए आमने-सामने हो सकती हैं। चल रही खबरों के मुताबिक विश्वंभरा की टीम संक्रांति पर फिल्म रिलीज़ करना चाहती है, जिसकी एक वजह इसके ओटीटी डील पर पड़ने वाला असर हो सकता है। हालांकि, इससे काका को अपनी रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने का दबाव पड़ सकता है। फिलहाल विश्वंभरा की टीम की तरफ से संक्रांति पर रिलीज को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और चिरंजीवी ने भी अपने प्लान में किसी बदलाव का ऐलान नहीं किया है।

काका में चिरंजीवी का डबल रोल

मेकर्स ने हाल ही में काका से चिरंजीवी का पहला लुक शेयर किया था। वीडियो में चिरंजीवी को एक्का इंडस्ट्री में सुपरवाइजर के सत्यम के तौर पर दिखाया गया है और फिर कहानी फ्लैशबैक में चली जाती है, जहां उनका युवा किरदार ज्यादा स्टाइलिश और एक्शन-ओरिएंटेड अवतार में नजर आता है। फिल्म में अनस्वारा राजन भी हैं, जिनका किरदार अम्मुलु पापा के तौर पर पेश किया गया है। मल्लिडी वशिष्ठ द्वारा निर्देशित और यूव्ही क्रिएशन्स द्वारा प्रोड्यूस की गई विश्वंभरा एक सोशियो-फैंटेसी एडवेंचर फिल्म है, जिसमें बड़े पैमाने पर व्हीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। फिल्म की कास्ट में तृषा कृष्णन, कुणाल कपूर और आशिका रंगनाथ शामिल हैं।

तमन्ना के बाद किसे डेट कर रहे हैं विजय वर्मा? शाहरुख खान की को-स्टार संग वायरल हुआ वीडियो,मची हलचल

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा का नाम एक्ट्रेस आलिया कुरैशी से जुड़ रहा है। दोनों को 'लस्ट स्टोरीज 3' की स्क्रीनिंग में साथ देखा गया, जिससे डेटिंग की चर्चाएं फिर तेज हो गईं। बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। तमन्ना भाटिया से रिश्ता खत्म होने के बाद अब उनका नाम एक नई एक्ट्रेस और सिंगर के साथ जोड़ा जा रहा है। हाल ही में मुंबई में 'लस्ट स्टोरीज 3' की स्क्रीनिंग के दौरान विजय वर्मा को आलिया कुरैशी के साथ स्पॉट किया गया। दोनों एक ही इवेंट में साथ नजर आए, जिसके बाद एक बार फिर उनके डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि,विजय या आलिया में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

आलिया कुरैशी के साथ फिर दिखे विजय

मुंबई में 'लस्ट स्टोरीज 3' की स्क्रीनिंग के दौरान विजय वर्मा और आलिया कुरैशी की मौजूदगी ने पैपराजी और सोशल मीडिया का ध्यान खींचा। दोनों को इवेंट में साथ देखा गया। यह पहली बार नहीं है जब विजय और आलिया की साथ में तस्वीरें या वीडियो सामने आए हैं। इससे पहले भी दोनों को मुंबई में एक साथ स्पॉट किया जा चुका है। हालांकि दोनों की तरफ से रिश्ते को लेकर किसी तरह की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार साथ नजर आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके रिलेशनशिप को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। ऐसे में फैंस यह जानने में दिलचस्पी ले रहे हैं कि आखिर आलिया कुरैशी कौन हैं और विजय वर्मा के साथ उनका क्या कनेक्शन है।

कौन हैं आलिया कुरैशी?

आलिया कुरैशी मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रही हैं। सोशल मीडिया पर वह 'झल्ली' नाम से भी जानी जाती हैं। वह एक सिंगर,गीतकार और एक्ट्रेस हैं। संगीत के साथ एक्टिंग की दुनिया में भी उन्होंने काम किया है और पिछले कुछ सालों में उन्हें कई चर्चित प्रोजेक्ट्स में देखा गया है। आलिया ने बॉलीवुड में शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' से डेब्यू किया था। एटली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने आजाद की टीम की सदस्य जानवी का किरदार निभाया था। फिल्म की बड़ी सफलता के बाद आलिया को दूसरे प्रोजेक्ट्स में भी काम करने का मौका मिला। इसके बाद वह 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। इस सीरीज में उन्होंने अनन्या का किरदार निभाया था। इसके अलावा आलिया खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान की फिल्म 'नादानियां' का भी हिस्सा रही हैं, जिसमें उन्होंने साहिरा की भूमिका निभाई।

'जवान' के सेट पर शाहरुख से हुई थी खास बातचीत

आलिया कुरैशी ने एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख खान के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया था। उन्होंने बताया था कि 'जवान' के सेट पर शाहरुख के साथ बिताया वक्त उनके लिए बेहद यादगार रहा। आलिया के मुताबिक, दोनों मॉनिटर के पास बैठकर एक्टिंग से लेकर जिंदगी और उसके अलग-अलग पहलुओं पर बातचीत किया करते थे। उन्होंने शाहरुख की समझ और उनके ह्यूमर की भी तारीफ की थी। आलिया ने यह भी बताया था कि एटली की बर्थडे पार्टी में उन्होंने शाहरुख खान के साथ पूल गेम खेला और 'छैयां छैयां' पर डांस भी किया था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के सेट पर उनका अनुभव उनके लिए कितना खास रहा।

तमन्ना भाटिया से करीब दो साल चला रिश्ता

विजय वर्मा इससे पहले एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में रहे थे। दोनों की नजदीकियां 'लस्ट स्टोरीज 2' के दौरान बढ़ी थीं। फिल्म के सेट पर शुरू हुआ यह रिश्ता करीब दो साल तक चर्चा में रहा। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया और उन्होंने भी सार्वजनिक तौर पर एक-दूसरे के लिए अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी। हालांकि 2025 में दोनों के अलग होने की खबरें सामने आईं। ब्रेकअप के बाद विजय ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ज्यादा बात नहीं की। इसी दौरान एक इंटरव्यू में उन्होंने रिश्तों की तुलना आइसक्रीम से की थी, जिस पर काफी चर्चा हुई थी। तमन्ना से अलग होने के बाद विजय वर्मा ने अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक प्राइवेट रखा है। अब आलिया कुरैशी के साथ उनकी लगातार सामने आ रही तस्वीरों और वीडियो ने नई डेटिंग की चर्चाओं को जन्म दिया है। 'लस्ट स्टोरीज 3' की स्क्रीनिंग पर दोनों की साथ मौजूदगी ने इन चर्चाओं को और हवा दी है।

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की 6 महीने में टूटी सगाई

पृथ्वी शॉ से सगाई के 6 महीने बाद आकृति अग्रवाल ने घोषणा की है कि दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट में एक्ट्रेस आकृति अग्रवाल ने सभी से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की भी अपील की। पृथ्वी शॉ ने 8 मार्च 2026 को आकृति अग्रवाल से सगाई की थी। कपल ने 27 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी के मौके पर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। अब सगाई के 6 महीने बाद आकृति अग्रवाल ने घोषणा की है कि उन्होंने और भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है, जिसकी वजह भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्य और परिस्थितियां हैं। इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट में एक्ट्रेस आकृति ने कहा कि वे आज भी एक-दूसरे की परवाह करते हैं, लेकिन अब उन्होंने मान लिया है कि दोनों की राहें अलग हैं। उन्होंने सभी से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की भी अपील की।

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की टूटी सगाई

इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए आकृति अग्रवाल ने कहा कि यह फैसला आपसी सहमति से लिया गया, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि भविष्य के लिए उनके लक्ष्य और परिस्थितियां अलग-अलग हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक-दूसरे के प्रति प्यार और परवाह के बावजूद उन्होंने यह स्वीकार कर लिया है कि अब उनकी राहें एक साथ नहीं हैं। कुछ महीने पहले उन्होंने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, लेकिन अब उनकी सगाई टूट गई है।

पृथ्वी शॉ की एक्स मंगेतर आकृति अग्रवाल का ब्रेकअप पोस्ट

आकृति अग्रवाल ने लिखा,भारी मन से मैं यह बताना चाहती हूं कि मैंने और मेरे मंगेतर ने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और परिस्थितियों के कारण अलग होने का फैसला किया है।% उन्होंने कहा कि उनकी जिम्मेदारियों और मौजूदा हालात की वजह से उन्होंने आपसी सहमति से अलग होने का निर्णय लिया। आकृति अग्रवाल ने आगे बढ़ने के लिए दोनों के लिए शुभकामनाएं, शांति और खुशी की कामना की और लोगों से आग्रह किया कि वे इस मुश्किल समय में उनकी प्राइवेसी का सम्मान करें। उन्होंने खास तौर पर लोगों से कहा कि वे उनके इस फैसले के कारणों के बारे में कोई अटकलें न लगाएं या कोई धारणा न बनाएं।

आकृति अग्रवाल ने की प्राइवेसी की अपील

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल ने मार्च 2026 में अपनी सगाई की घोषणा की थी और भारतीय क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर सगाई समारोह की तस्वीरें शेयर की थीं। बाद में जुलाई में आकृति अग्रवाल के कुछ सोशल मीडिया पोस्ट के कारण उनके रिश्ते पर लोगों का ध्यान गया,जिससे उनके रिश्ते को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। उस समय उन पोस्ट का पृथ्वी शॉ से कोई आधिकारिक संबंध नहीं बताया गया था। आकृति अग्रवाल के हालिया बयान से अब यह पुष्टि हो गई है कि इस जोड़े ने आपसी सहमति से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला किया है। हालांकि, उन्होंने अलग होने का कारण नहीं बताया,लेकिन प्राइवेसी की उनकी अपील से यह साफ है कि वह इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा बर्थडे मैसेज शेयर किया

गुरुवार को सिंगर और एक्टर निक जोनस 34 साल के हो गए। उनकी पत्नी और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा बर्थडे मैसेज शेयर करके उनके इस खास दिन को और भी यादगार बना दिया। देसी गर्ल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिनमें कपल के कुछ खास पलों की झलक देखने को मिली। पोस्ट की शुरुआत प्रियंका की एक तस्वीर से हुई जिसमें वह निक के गाल पर किस कर रही हैं। निक ने एक कैप पहनी हुई थी जिस पर मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा था, सॉरी, हम गोल्फ़ खेल रहे हैं। इसके बाद एक्ट्रेस ने निक के कुछ कैंडिड (बिना पोज़ दिए) पल शेयर किए। एक तस्वीर में वह उस गाड़ी के अंदर पोज़ देते दिखे जिसे उनके जन्मदिन के जश्न के लिए सजाया गया था। पोस्ट के आखिर में सबसे प्यारा पल तब आया जब प्रियंका ने निक का अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ म्यूज़िकल पल बिताते हुए एक वीडियो शेयर किया। क्लिप में मालती को गाते हुए सुना जा सकता है, जबकि निक उनके साथ पियानो बजा रहे हैं। कैप्शन में क्वांटिको एक्ट्रेस ने लिखा,उस इंसान को जन्मदिन की बधाई जो हमारे सभी सपने सच करता है...हर दिन। हम आपसे प्यार करते हैं गागा। प्रियंका की मां मधु चोपड़ा भी निक को शुभकामनाएं देकर जन्मदिन के जश्न में शामिल हुईं। उन्होंने निक की उनके भाइयों केविन और जो जोनस के साथ-साथ मालती के साथ कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके साथ उन्होंने लिखा,हैप्पी बर्थडे, हमारे परिवार का हिस्सा होने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सिर्फ़ मेरे दामाद ही नहीं, बल्कि सच में मेरे बेटे की तरह हैं।÷ जानकारी के लिए बता दें कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस सबसे पहले ङ्ग (पहले ट्विटर) पर डायरेक्ट मैसेज के ज़रिए जुड़े थे, जो बाद में एक रिश्ते में बदल गया। कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद, कपल ने अगस्त 2018 में सगाई कर ली।

सामंथा रूथ प्रभु ने शुरू की सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल की शूटिंग

अपनी पहली संतान की उम्मीद कर रहीं एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने बहुप्रतीक्षित कुकिंग रियलिटी शो ÷सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल की शूटिंग शुरू कर दी है। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने मीडिया को बताया कि ऊ अंतावा फेम एक्ट्रेस शूटिंग शुरू करने के लिए चेन्नई गई हैं। हालांकि शो और सामंथा की भूमिका के बारे में और जानकारी का इंतजार है, लेकिन फैंस एक्ट्रेस को इस नई चुनौती का सामना करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। सामंथा, जो कथित तौर पर अपनी प्रेग्नेंसी के सातवें महीने में हैं, ने अपने जीवन के इस खास दौर में भी काम करना जारी रखा है। शो के बारे में बात करते हुए, सामंथा ने पहले इस नए प्रोजेक्ट के लिए अपना उत्साह जाहिर किया था और कहा था कि खाने का लोगों को करीब लाने का एक अनोखा तरीका होता है। यशोदा एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि वह तमिल फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोकप्रिय चेहरों को किचन में कदम रखते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

खेल-समाचार

भारत-जापान के बीच मैच आज

नई दिल्ली,17 सितम्बर 2026। एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले शुरू हो गए हैं। भारतीय टीम अपना पहला मैच जापान के खिलाफ 18 सितंबर को खेलेगी। इस मैच को जीतते ही टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स में उतरने के लिए तैयार है। अब तक दो टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है और अब टीम इंडिया की बारी है। भारतीय क्रिकेट टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में इस टूर्नामेंट में उतरेगी। भारत का मैच 18 सितंबर यानी शुक्रवार को खेला जाएगा।

पाकिस्तान और बांग्लादेश ने पक्की की सेमीफाइनल की सीट

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला टीम के सफर की शुरुआत होने वाली है। अब तक बांग्लादेश और पाकिस्तान की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। बांग्लादेश बनाम चाइना के मैच में बारिश हो गई, इसलिए बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेशी टीम अगले राउंड में पहुंच गई है। पाकिस्तान और थाईलैंड के बीच मैच खेला गया। बारिश ने इसमें भी बाधा डाली और इसे 11 ओवर का कर दिया गया। आखिरी ओवर में किसी तरह से पाकिस्तान ने मैच जीत लिया और वो भी अंतिम चार में पहुंच गई है।

भारत और जापान के बीच 18 सितंबर शुक्रवार को सुबह साढ़े दस बजे से शुरू होगा

भारतीय क्रिकेट टीम का मुकाबला शुक्रवार को जापान से होना है। ये मैच भारतीय समय अनुसार सुबह साढ़े दस बजे से होगा। इससे आधे घंटे पहले यानी दस बजे होगा। इसी दिन यानी 18 सितंबर को ही पहला मैच सुबह साढ़े पांच बजे से शुरू होगा, इसमें श्रीलंका और मलेशिया की टीमें आमने सामने होंगी। यानी अगर आपको टी20 मुकाबला शाम को देखने की आदत है तो इसे बदल दीजिए, क्योंकि साढ़े दस बजे से शुरू होकर मैच करीब एक बजे तक खत्म हो जाएगा।

भारतीय महिला टीम जीती तो 22 सितंबर को होगा सेमीफाइनल

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है, यानी एक मैच जीतते ही टीमें सेमीफाइनल में चली जाएगी। भारतीय टीम अगर सेमीफाइनल में पहुंच जाती है तो उसका मैच 22 सितंबर को होगा, जो कि मंगलवार को खेला जाएगा। इसे जीतते ही भारत का मेडल पक्का हो जाएगा और टीम फिर फाइनल खेलेगी।

साउथ कोरिया की धरती पर इतिहास रचने उतरेगा भारत

डेविस कप में ऐसा है दोनों का हेड टू हेड रिकॉर्ड

सियोल,17 सितम्बर 2026। डेविस कप में भारत के लिए शुक्रवार यानी 18 सितंबर का दिन सिर्फ एक मुकाबले की शुरुआत नहीं,बल्कि इतिहास रचने की कोशिश का पहला कदम होगा। साउथ कोरिया के खिलाफ क्वालिफायर राउंड-2 में भारत की नजरें डेविस कप फाइनल-8 में जगह बनाने पर हैं और इस हाई-वोल्टेज मुकाबले की पहली जिम्मेदारी दक्षिणेश्वर सुरेश के कंधों पर होगी। भारतीय खिलाड़ी को पहले सिंगल्स में कोरिया के नंबर-1 खिलाड़ी क्वोन सून-वू की चुनौती का सामना करना है। दोनों टीमों के शीर्ष खिलाड़ियों की कहानी इस समय कुछ हद तक एक जैसी है। कभी ऊंची रैंकिंग पर पहुंच चुके ये खिलाड़ी अब अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश में हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि मुकाबला ऐसे कोर्ट पर हो रहा है, जहां भारत के आक्रामक खेल की परीक्षा कड़ी होने वाली है। बता दें, भारत और साउथ कोरिया के बीच डेविस कप मुकाबले का सीधा प्रसारण वेटो ओटीटी पर किया जाएगा।

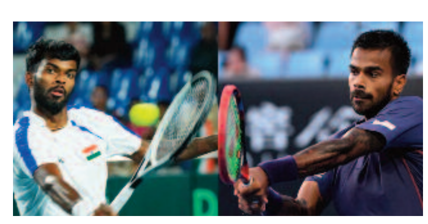

हेड टू हेड रिकॉर्ड

साउथ कोरिया के खिलाफ डेविस कप में भारत के रिकॉर्ड की बात की जाए, तो दोनों टीमें अब तक 11 बार आमने-सामने आ चुकी हैं,जिसमें साउथ कोरिया ने 6 मुकाबले जीते हैं, जबकि भारत के हिस्से 5 जीत आई हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका क्षमा सिंह पति दिनेश कुमार सिंह,उम्र-45 वर्ष निवासी डी0सी0 रोड़ नगर अ0पुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है,कि आवेदिका के द्वारा अनावेदिका अन्नपूर्णा मंडल पति स्व.डी0 मंडल,उम्र-79 वर्ष, जाति-बंगाली निवासी भटगांव,जिला सूरजपुर (छ0ग0) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ0पुर, मोहल्ला जवाहर मार्केट स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3/95 रकबा 0.03 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 17.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 25/ 09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक- ।।/09/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0- ब/-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामकुमार आ. स्व. गंगाराम व अन्य निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला कुमार सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम लक्ष्मीपुर में भूमि कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 1.755 हे. स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में फौती नामांतरण के समय आवेदक क्रमांक-1 का नाम श्यामकुमार के स्थान पर त्रुटिवश श्यामशंकर दर्ज हो गया है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया हैं, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई मही किया जावेंगा। ।

आज दिनांकः- 07/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार जरही जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रमांक. ब-121/2025-2026

आम जनता ग्राम श्यामनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक जुगेश्वरी आ0 शिवबालक जाति रजवार निवासी ग्राम श्यामनगर पोस्ट सोनगरा थाना भटगांव लिंक कोर्ट जरही तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 22/12/1976 को ग्राम श्यामनगर घर मे जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत् मय आवेदन, शपथ पत्र,परिचय पत्र,अनुपलब्धता प्रमाण पत्र,नवीन प्रारूप घटना की परिशुद्धता प्रमाण पत्र, चालान की प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जुगेश्वरी आ0 शिवबालक जाति रजवार निवासी ग्राम श्यामनगर थाना भटगांव लिंक कोर्ट जरही तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 का जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय मे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
उप तहसील जरही(प्रतापपुर)
जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय
रायपुर - छत्तीसगढ़

दूरभाष : 0771-2537404,टेलीफैक्स 0771-2234731
ई-मेल :- deptt. archaeologye@gmail.com वेब साइट : www.cgculture.in

कमांक 814 / अनु. /पु.अ.सं./2026 रायपुर, दिनांक 11/09/2026

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानिक राशि	बयाने की राशि
1.	राज्य संरक्षित स्मारक देवरानी जेठानी मंदिर ताला जिला बिलासपुर के जेठानी मंदिर में ईट संरचना का अनुरक्षण कार्य ।	9,87,000.00	20,000.00
2.	राज्य संरक्षित स्मारक ध्वस्त मंदिर,रानी तालाब के समीप जिला बलरामपुर के मंदिर क्रमांक 01,02,03 एवं 04 में अनुरक्षण कार्य ।	9,95,000.00	20,000.00
3	संरक्षित स्मारक स्थल सामंत सरना डीपाडीह, जिला बलरामपुर में बावड़ी का अनुरक्षण कार्य	9,98,000.00	20,000.00

ठेकेदार की श्रेणी - उपयुक्त श्रेणी, कार्यावधि - कार्यादेश से 03 माह,
निविदा प्रपत्र की राशि रू. 750/- (रू. सात सौ पचास मात्र)-
01. कोरी निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि 24.09.2026 शाम 5: 00 बजे तक ।
02. बंद निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30.09.2026. शाम 5: 00 बजे तक ।
03. निविदा खोलने की तिथि एवं समय दिनांक 01.10.2026 दोपहर 12.00 बजे ।
(निर्धारित तिथि को अवकाश घोषित होने पर आगामी कार्य दिवस में निविदा प्रस्तुत एवं खोली जावेगी)।
* कंडिका क्रमांक 01 से 03 सभी कार्यो के लिए ठेकेदार / फर्म को भारतीय पुराततव सर्वेक्षण अथवा राज्य पुरात्तव विभाग में अनुरक्षण कार्य के लिए न्युनतम 03 वर्षो का अनुरक्षण कार्य का अनुभव होना आवश्यक है, निविदा फार्म क्रय करने हेतु अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा प्रपत्र जारी नही किया जावेगा ।
* अमानत राशि एफ. डी. आर. / बैंक ड्राफ्ट 3 वर्ष का जो कि संचालक, पुरातत्व अभिलेखागर एवं संग्रहालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर सिविल लाईन रायपुर छ.ग. के नाम से बनवाना होगा ।
* निविदा के सामान्य शर्ते विस्तृत निविदा विज्ञप्ति एवं निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर या विभागीय वेबसाईट www.cgculture.in पर निविदा जारी दिनांक से देखी जा सकती है।

संचालक
पुरातत्व अभि. एवं संग्रहालय
रायपुर (छ.ग.)

जी. नंबर-262703283/2

सवा लाख 'आशीर्वाद के दीपों' से जगमगाया खारुन तट,प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए हुई महाआरती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण को मिली नई गति : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

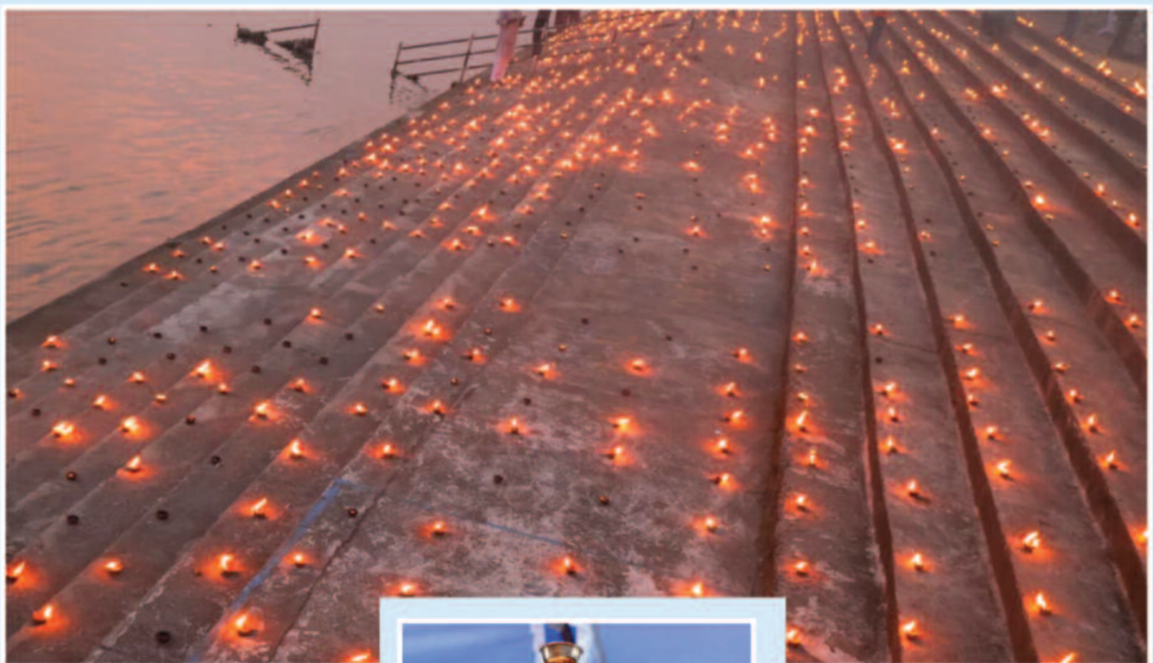

रायपुर,17 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76 वें जन्मदिवस पर राजधानी रायपुर का महादेव घाट सवा लाख दीपों की ज्योति से जगमगा उठा। खारुन नदी के पावन तट पर आयोजित विराट दीपोत्सव एवं महाआरती 'आशीर्वाद का दीया'कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए और प्रदेशवासियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। सवा लाख दीपों की एक साथ प्रज्वलित ज्योति से महादेव घाट का पूरा परिसर आलोकित हो उठा। श्रद्धा, आस्था और जनभागीदारी के इस अनुपम संगम के बीच खारुन मैया की भव्य महाआरती की गई। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, जनकल्याण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है। प्रधानमंत्री मोदी दिन-रात 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में जुटे हैं और उनके नेतृत्व में आज भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज खारुन मैया के पावन तट पर प्रज्वलित सवा लाख दीप प्रधानमंत्री मोदी के प्रति छत्तीसगढ़वासियों के स्नेह,आत्मीयता और शुभकामनाओं की अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ,सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की।

विराट दीपोत्सव के दौरान साध्वी प्रज्ञा भारती एवं आचार्यों द्वारा विधि-विधान के साथ खारुन मैया की महाआरती की गई। मुख्यमंत्री साय ने भी महाआरती में सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित साध्वी प्रज्ञा भारती द्वारा रचित एवं स्वरबद्ध गीत का मुख्यमंत्री ने विमोचन किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने देखे ऐतिहासिक परिवर्तन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने ऐसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय और परिवर्तन देखे हैं, जिनकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने से लेकर अयोध्या में भगवान श्री रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने तक देश ने नए आत्मविश्वास और सामर्थ्य का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित में बड़े और दूरगामी निर्णय लिए गए हैं। उनके दृढ़ संकल्प,स्पष्ट दृष्टि और राष्ट्रसेवा की भावना ने देश में विकास और जनकल्याण की गति को तेज किया है। आज भारत विश्व मंच पर अधिक आत्मविश्वास और सामर्थ्य के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए शासन का केंद्र हमेशा गरीब और समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति रहा है। इसी भावना के अनुरूप गरीब परिवारों को पक्का आवास,घर-घर शौचालय,जन-धन खाते,रसोई गैस कनेक्शन, खाद्यान्न सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक देशवासी को अपने परिवार का सदस्य मानकर 'सबका साथ,सबका विकास' के ध्येय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनकी सरकार ने गरीब की छोटी से छोटी आवश्यकता और उसके जीवन को बेहतर बनाने वाली सुविधाओं को शासन की प्राथमिकता बनाया है।

पीएम के साथ काम करना मेरे सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव : साय

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने कार्य अनुभव को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने,तब मुझे भी उनकी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उस दौरान मुझे उनकी कार्यशैली, अनुशासन,परिश्रम और जनसेवा के प्रति समर्पण को निकट से देखने और समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का पूरा जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण और जनसेवा की प्रेरक यात्रा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने तक उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा और सुशासन को समर्पित रहे हैं। यह देश का सौभाग्य है कि हमें ऐसा नेतृत्व मिला है, जिसने विश्व पटल पर भारत का मान और सम्मान बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री मोदी का छत्तीसगढ़ से रहा है गहरा आत्मीय जुड़ाव : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ गहरा आत्मीय जुड़ाव रहा है। प्रदेश के विकास को केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन मिला है। प्रधानमंत्री मोदी की विकास दृष्टि में छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से यहां के जनजातीय तथा दूरस्थ अंचलों के विकास को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से छत्तीसगढ़ ने माओवादी हिंसा के विरुद्ध निर्णायक सफलता हासिल की है। वर्षों तक हिंसा और पिछड़ेपन का दंश झेलने वाले बस्तर में आज शांति और विकास के नए द्वार खुले हैं। सड़क,बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी,शिक्षा,स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं तथा विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के लोगों के जीवन में आ रहा यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई शक्ति दे रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि शांति के वातावरण में बस्तर की प्राकृतिक संपदा, पर्यटन, संस्कृति और वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को स्थानीय लोगों की समृद्धि और रोजगार से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक देशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ हुआ है।

यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के सेवा,सुशासन,गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वच्छता,स्वास्थ्य,पोषण,पर्यावरण संरक्षण,जरूरतमंदों की सहायता और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में 1.50 करोड़ से अधिक 'आशीर्वाद के दीये' प्रज्ज्वलित...

रायपुर में जगमगाए इलेक्ट्रॉनिक दीपक,बिलासपुर में रंगोली,अधिकारियों-टीचरों की लगी ड्यूटी

रायपुर,17 सितम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरुवार को छत्तीसगढ़ में'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आशीर्वाद के दीये' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेशभर में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए 1.50 करोड़ से अधिक दीये प्रज्वलित किए।इस काम में अधिकारी-कर्मचारी और सरकारी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। बिलासपुर में पोडियम पर भारत के नक्शे के बीच रंगोली से पीएम मोदी की तस्वीर बनाई गई। वहीं जगदलपुर, भिलाई और अन्य सभी जिलों में दीपोत्सव का कार्यक्रम किया गया। गांव से लेकर शहर तक विभिन्न स्थानों पर दीप प्रज्वलन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन,सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के प्रति जनभावनाएं व्यक्त की गईं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किया है।

उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, जनकल्याण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

जगदलपुर में भिड़े बीजेपी-कांग्रेस नेता

इधर जगदलपुर में दीपोत्सव को लेकर विवाद हो गया। कार्यक्रम स्थल पर डेढ़ लाख से ज्यादा दीये सजाए गए। आयोजन की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने मां दंतेश्वरी मंदिर के सामने दुकानें बंद कराने और श्रद्धालुओं के आवाजाही को लेकर विरोध जताया। इसी दौरान डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी पहुंचे और उनकी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बहस हो गई। इसके बाद बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता धक्का-मुक्की करने लगे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जूते-चप्पल फेंके। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया।

रायपुर में किसान नेता के भतीजे शिक्षक का मिला शव...सिर पर चोट के निशान,हत्या की आशंका

रायपुर,17 सितम्बर 2026। रायपुर के आरंग में किसान नेता रूपन चंद्राकर के भतीजे शिवकुमार चंद्राकर (सरकारी टीचर) का खून से लथपथ शव मिला है। उनके सिर पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने हत्या की आशंका पर जांच शुरू कर दी है। मामला महानदी तट के बनचरौदा के पास का है। शिवकुमार चंद्राकर डंगनिया (चंपारण) के रहने वाले थे। वे कुम्हारी स्थित शासकीय स्कूल में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। बुधवार-गुरुवार की रात महानदी किनारे उनका शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची टीम को शव के पास उनकी बाइक भी मिली है।

पुलिस की शुरुआती जांच में शिक्षक के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किए जाने की आशंका है। घटना स्थल पर खून के निशान भी मिले हैं। बाइक मिलने के बाद पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच आगे बढ़ाई है। हालांकि अभी तक हत्या की वजह और वारदात में इस्तेमाल हथियार का पता नहीं चल पाया है।

एशिया कप हॉकी जूनियर में छत्तीसगढ़ की गीता और मधु का शानदार प्रदर्शन,चार-चार गोल दागकर भारत को दिलाई जीत

रायपुर,17 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी गीता यादव एवं मधु सिदार ने हॉकी जूनियर महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और भारत का मान बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ियों ने राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई बिलासपुर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण ली है। चीन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत ने साउथ कोरिया को करारी मात दी, जिसमें मधु सिदार ने एक गोल दागा। भारत ने मलेशिया को 11-1 से करारी मात दी,जिसमें गीता यादव ने 2 गोल मारकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने अपने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19-0 से करारी शिकस्त दी, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने 2-2 गोल किए। इस पूरी प्रतियोगिता में मधु सिदार ने कुल 4 गोल और गीता यादव ने भी 4 गोल किया। संचालक खेल एवं युवा कल्याण आकांक्षा शिक्षा खलखो ने आज संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण रायपुर में

दोनों खिलाड़ियों को बधाई देकर उत्साहवर्धन किया और भविष्य में और आगे बढ़ने के लिए शुभ कामनाएं देते हुए विभाग की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही । इस अवसर पर बिलासपुर आवासीय अकादमी के वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो, खेलो इंडिया एक्सीलेंस सेंटर बिलासपुर के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर कुलदीप बरार और सुशील अमलेश खेल अधिकारी बिलासपुर भी उपस्थित रहे।

कवर्धा में गीता का हुआ भव्य स्वागत : चीन में आयोजित जूनियर महिला एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली कवर्धा की बेटी गीता यादव के नगर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। गीता के शहर पहुंचते ही उनके माता-पिता,सर्व यादव समाज के पदाधिकारियों, युवाओं और बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया।

गीता यादव को ठाकुर देव चौक से बाजे-गाजे के साथ रैली की शक्ल में भारत माता चौक तक ले जाया गया। रैली के दौरान जगह-जगह लोगों ने गीता का फूल-मालाओं से स्वागत किया। आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया गया और भारत माता के जयकारों के साथ गीता का उत्साह बढ़ाया गया।

पाटन चुनाव विवाद : भूपेश बघेल को हाईकोर्ट से झटका,आवेदन हुआ खारिज

बिलासपुर,17 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के पाटन विधानसभा चुनाव से जुड़े मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से दायर आवेदन को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। पाटन विधानसभा से बतौर भाजपा प्रत्याशी चुनाव हारने के बाद विजय बघेल ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चुनाव याचिका दायर की है। भूपेश बघेल की ओर से चुनाव याचिका को शुरुआती स्तर पर निरस्त करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कोर्ट ने इस आवेदन पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश के लिए गुरुवार 17 सितंबर की तिथि तय की थी। आज कोर्ट ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के आवेदन को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब याचिकाकर्ता विजय बघेल की चुनाव याचिका पर सुनवाई जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग में 25 डॉक्टरों के तबादले...कई जिलों के सीएमएचओ बदले;महासमुंद-सुकमा से लेकर सरगुजा तक बदली जिम्मेदारियां

रायपुर,17 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने 25 चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों का तबादला किया है। आदेश के बाद कई जिलों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की जिम्मेदारियां बदल गई हैं। महासमुंद डॉ. आई. नागेश्वर राव को प्रभारी सीएमएचओ के पद से हटाकर राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,रायपुर में उप संचालक बनाया गया है। उनकी जगह डॉ. रामकेश्वर सिंह कुशवाहा को प्रभारी सीएमएचओ बनाया गया है।

25 चिकित्सा अधिकारी को किसे कहां से कहां भेजा गया...

- डॉ. आई. नागेश्वर राव प्रभारी सीएमएचओ महासमुंद से उप संचालक, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान रायपुर
- डॉ. रामकेश्वर सिंह कुशवाहा प्रभारी सीएमएचओ सुकमा से प्रभारी सीएमएचओ महासमुंद
- डॉ. भुवन विजय कुर्रे जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा से प्रभारी सीएमएचओ सुकमा
- डॉ. शरद कोहाड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खंडसरा, बेमेतरा से प्रभारी सीएमएचओ बेमेतरा
- डॉ. अरुण कुमार टॉंडर प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय धमतरी से प्रभारी सीएमएचओ धमतरी
- डॉ. यू.एल. कौशिक प्रभारी सीएमएचओ धमतरी से प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी
- डॉ. आदित्य सिन्हा जिला चिकित्सालय धमतरी से प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय धमतरी
- डॉ. अनिल कुमार शुक्ला संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग से प्रभारी सीएमएचओ खैरागढ़ छुईखदान गंडई
- डॉ. कपिल देव पैंकरा प्रभारी सीएमएचओ सूरजपुर से संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग
- डॉ. प्रशांत सिंह प्रभारी सीएमएचओ कोरिया से प्रभारी सीएमएचओ सूरजपुर
- डॉ. बलवंत सिंह जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर, कोरिया से प्रभारी सीएमएचओ कोरिया
- डॉ. आशीष शर्मा प्रभारी सीएमएचओ खैरागढ़ छुईखदान गंडई से प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय खैरागढ़ छुईखदान गंडई
- डॉ. जगसाय सिंह सरुता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विश्रामपुर, सूरजपुर से प्रभारी सीएमएचओ सरगुजा
- डॉ. प्रेम सिंह मार्को प्रभारी सीएमएचओ सरगुजा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहट, कोरिया
- डॉ. शीला साहा प्रभारी सीएमएचओ मुंगेली से जिला चिकित्सालय बिलासपुर
- डॉ. श्रीकेश गुप्ता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीकला, बिलासपुर से प्रभारी सीएमएचओ मुंगेली
- डॉ. राकेश कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया, कबीरधाम से प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय मुंगेली
- डॉ. सत्यम कुमार पटेल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बर्रा, रायगढ़ से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डभरा, सक्ती
- डॉ. शशांक गुप्ता प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बलरामपुर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर,बलरामपुर

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)